

कोरबा के जंगल में शुभ-मंगल, हाथी शावक का जन्म

दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
सफलता का चिराग
परिश्रम से जलता है।

वर्ष - 17, अंक - 29 | आश्विन शुक्ल द्वादशी, विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 23 से 29 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ - 8, मूल्य-रू. 3:00/-



बिलासपुर पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

संघ की बैठक में शामिल होंगे, छत्तीसगढ़ संगठन में बदलाव की चर्चा

बिलासपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत 2 दिवसीय दौरे पर बिलासपुर पहुंचे हैं। गुरुवार दोपहर रेलवे स्टेशन पर कड़ी सुरक्षा के बीच उतरने के बाद वे कोनी स्थित सरस्वती आवासीय विद्यालय पहुंचे। यहां वे संघ के बौद्धिक वर्ग और महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल होंगे। कार्यक्रम में युवाओं को संगठन से जुड़ने और सामाजिक कामों में भाग लेने के टिप्स दे सकते हैं। जानकारी के मुताबिक मोहन भागवत गोंडवाना एक्सप्रेस से शाम 4 बजे बिलासपुर पहुंचने वाले थे। लेकिन वे इंटरसिटी एक्सप्रेस से तय समय से पहले बिलासपुर पहुंचे। कल 23 अक्टूबर को प्रांत कार्यकारिणी की बैठक होगी। इसमें छत्तीसगढ़ में संघ के प्रांत प्रमुख का पद समाप्त करने पर चर्चा होने की बात कही जा रही है।

भूपेश बोले-BSP की रेल मिल पर अडाणी की नजर

दुर्ग-भिलाई, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के भिलाई स्टील प्लांट को बेचने की खबरों को प्रबंधन की ओर से अफवाह और भ्रामक बताए जाने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि BSP के जनसंपर्क विभाग को बिक्री संबंधी खबरों का खंडन जारी करने का अधिकार किसने दिया? क्या यह बयान भारत सरकार की अनुमति से जारी किया गया है?

राष्ट्रपति बोलीं- किताबें पढ़िए, नई तकनीक सीखिए, सवाल पूछिए: रायपुर में जेन-जी को दिए सक्सेस मंत्र, रू.200 का स्मारक सिक्का जारी किया

रायपुर (दिव्य आकाश)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिन के दौरे पर गुरुवार को रायपुर पहुंचीं। वे इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व' और 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने युवाओं को सक्सेस टिप्स दिए।

कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू को VIP गेट से एंट्री नहीं मिली। इसके बाद वे दूसरे गेट से पैदल ही कार्यक्रम स्थल पहुंचे। विधायक संपत अग्रवाल को भी कार्यक्रम स्थल पर जाने से पहले रोक दिया गया था। इसके बाद वे वापस लौट गए।

इससे पहले राष्ट्रपति ने लोकभवन में रू.200 का स्मारक सिक्का जारी किया। सिक्के पर एक तरफ अशोक स्तंभ और दूसरी तरफ शदाणी दरबार की पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की तस्वीर है। 35 ग्राम वजनी यह सिक्का 4 धातुओं से मिलकर बना है। इसे ऑनलाइन बुक किया जा सकता है।

राष्ट्रपति बोलीं- महिलाएं अबला नहीं, सबला हैं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं को पहले अबला और दुर्बल कहा जाता था, लेकिन वे सबला हैं। महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और वे सब कुछ कर सकती हैं।

जहां से हमने अपनी यात्रा शुरू की, उसे हमेशा याद रखें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जहां से हमने अपनी यात्रा शुरू की है, उस जगह की स्थिति को हमेशा याद रखना चाहिए और उसे भी आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। आधुनिकता हमें आगे बढ़ने की शक्ति देती है, जबकि संस्कृति हमें अपनी जड़ों से जोड़कर रखती है।

राष्ट्रपति बोलीं- बड़ा बनने के बाद पीछे रह गए लोगों को आगे बढ़ाएं



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि बड़ा बनने के बाद हमेशा पीछे मुड़कर देखना चाहिए और पीछे रह गए लोगों को आगे बढ़ाना चाहिए। यही बड़े होने की असली पहचान है।

उन्होंने कहा कि अगर आप बड़े अधिकारी बन गए, लेकिन आपके पड़ोसियों के पास आगे बढ़ने के साधन नहीं हैं और आप उनकी मदद नहीं करते, तो आपके बड़े बनने का कोई फायदा नहीं है। जब आप दूसरों को आगे बढ़ाएंगे, तभी आपके बड़े बनने का सही मायने में फायदा होगा।

राष्ट्रपति बोलीं- असफलता से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं से कहा कि चलते रहिए, आगे बढ़ते रहिए और सीखते रहिए। किताबें पढ़िए, नई तकनीक सीखिए, सवाल पूछिए और खुद का विकास कीजिए। सीखने की इच्छा व्यक्ति को प्रगतिशील बनाती है। उन्होंने कहा कि जो डर गया, सो मर गया। जीवन में जैसी भी परिस्थिति आए, उसका डटकर सामना कीजिए। असफलता से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है, इसलिए गलतियां सुधारिए और आगे बढ़िए। हताश होने का विकल्प मत रखिए। अपने साथ-साथ परिवार और देश को भी आगे बढ़ाने का संकल्प लीजिए।

राष्ट्रपति ने युवाओं को दिए सफलता के मंत्र

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं को तीन संकल्प लेने की बात कही

पहला संकल्प: आजीवन सीखते रहने का

दूसरा संकल्प: डरना मना है

तीसरा संकल्प: समाज की प्रगति में योगदान देना

चौथा संकल्प: अपनी जड़ों को याद रखना

राष्ट्रपति बोलीं- नुआखाई हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने भाषण में कहा- नुआखाई जैसे आयोजन हमें अपनी जड़ों से जोड़कर रखते हैं। नई फसल के आगमन पर अन्न देवता को सम्मान दिया जाता है। नुआखाई में अन्न केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि उसके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का अवसर है।

सीएम साय बोले- राष्ट्रपति को स्टूडेंट्स से संवाद करना पसंद

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्रपति शिक्षिका रही हैं, इसलिए उन्हें युवाओं और स्टूडेंट्स से संवाद करना अच्छा लगता है। राष्ट्रपति ओडिशा के एक छोटे से गांव से निकलकर आज देश के सर्वोच्च पद पर पहुंची हैं। उनकी यात्रा प्रेरणादायक है।

MLA पुरंदर बोले- छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच रोटी-बेटी का संबंध

विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच रोटी-बेटी का संबंध है। आज नुआखाई के अवसर पर यहां सभी को अउरसा खाने का भी मौका मिलेगा। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और यहां धान की पूजा की जाती है। यहां का धान भगवान जगन्नाथ के भोग के लिए पुरी भेजा जाता है।



शुभ-आरंभ

WelComes You

"A PLACE TO FOCUS A SPACE TO GROW"

SANKALP LIBRARY

STUDY • FOCUS • GROW • ACHIEVE

GRAND OPENING

YOUR SPACE TO PREPARE. YOUR SPACE TO GROW.



PREMIUM STUDY ENVIRONMENT | HIGH-SPEED WI-FI | PEACEFUL & SILENT SPACE | COMFORTABLE SEATING | WELL-LIT STUDY AREA | DEDICATED STUDY SPACE

HIGHLIGHTS

REGISTRATION FEE FREE FOR FIRST 20 ADMISSIONS

Let's Build a Better You

2nd Floor, Ankita Complex
Near Subhash Chowk,
Niharika, Korba (C.G.)

Contact: 94792-85864

सर्वमंगला महादेवी, दुरपा क्षेत्र निवासिनी। सर्वेषांम मंगलं कुर्यात, भक्तानां हितकारिणी।



सर्वेषां भक्तानाम्, सहकारिणां आभारः
च शुभकामनाम् ... कृतार्थोस्मिः

हे माँ ! आपके उपहारों एवं आशीर्वाद से हमारा कोरबा, छत्तीसगढ़ समृद्ध और खुशहाल हो।

सादर आभार



माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर दुरपा कोरबा की जीवनदायिनी हसदेव नदी के तट पर विश्व कल्याणी जगद् जननी जगदम्बिका माँ श्री सर्वमंगला देवी की अनंत कृपा से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि का महापर्व क्वांर शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत् 2083, 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक निर्विघ्न और सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया।

मैं मंदिर प्रबंधन की ओर से सभी धार्मिक क्रिया कलापों को सम्पन्न कराने वाले विद्वान आचार्यों एवं पंडितों, दीप ज्योति प्रज्ज्वलित कराने वाले सभी भक्तों, सभी सहयोगियों, स्वयं सेवकों, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, मीडिया बंधुओं एवं प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी भक्तों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

पुलिस प्रशासन की शांतिमय सख्त व्यवस्था से परिसर में शांति और सुरक्षा का एहसास लोगों ने किया, 09 दिन तक श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने अनुशासन बनाकर माँ का दर्शन किया और पुण्यलाभ लिया। रोजाना भोग भण्डारा में कतारबद्ध होकर भक्तों ने भोग प्रसाद ग्रहण किया। सभी के सहयोग से परिसर में स्वच्छता रही और परिसर पालिथिन मुक्त रहा।

माँ की कृपा हम सब पर बनी रहे और कोरबा सहित विश्व में सुख, समृद्धि, वैभव एवं सत्व का प्रकाश पूंज फैले और विश्व का कल्याण हो...।

इन्हीं शुभता का संदेश के साथ एक बार पुनः सभी का हृदय से आभार!

माँ श्री सर्वमंगला देवी सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें...

सभी का जीवन सुलभ, सरल एवं वैभवपूर्ण बने... विश्व का कल्याण हो...!

दीप ज्योति का प्रकाशपूंज सभी के जीवन में नई ऊर्जा भरे और सभी को आरोग्य मिले।

राजपुरोहित पं. नमन पाण्डेय (नन्हा) प्रबंधक एवं व्यवस्थापक

श्री सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर दुरपा, कोरबा जिला - कोरबा

|| श्री गणेशम्किाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र

Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता



इन बीमारियों का ईलाज
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।



शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

आज कांग्रेस की बैठक

कोरबा। कांग्रेस संगठन द्वारा जिले में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर 23 अक्टूबर, शुक्रवार को शाम 3 बजे टी.पी. नगर स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, कोरबा में जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है।

बैठक को छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री जयसिंह अग्रवाल संबोधित करेंगे। बैठक में जिले में संगठन की गतिविधियों, सेक्टर, मंडल, वार्ड एवं बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय एवं मजबूत बनाने तथा आगामी संगठनात्मक कार्ययोजना को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सभी मंडल अध्यक्षों, सेक्टर प्रभारियों, वार्ड अध्यक्षों, बूथ पदाधिकारियों सहित कांग्रेस के समस्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस संगठन द्वारा विभिन्न वार्डों में सेक्टर स्तर की बैठकों का आयोजन भी किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 अक्टूबर को अलग-अलग क्षेत्रों में सेक्टर बैठकों के पश्चात जिला स्तर पर यह महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर संगठनात्मक चर्चा में भाग लेने की अपील की है।

दिनांक 29 अक्टूबर को AICC द्वारा नियुक्त केंद्रीय पर्यवेक्षक नवज्योत पटनायक और पी.सी.सी. पर्यवेक्षक एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री व् खरसिया विधायक उमेश पटेल द्वारा कोरबा जिला के कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कांग्रेस पार्टी के संगठन एवं मोर्चा से सम्बंधित समस्त पधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को बैठक में उपस्थित रहना अनिवार्य रहेगा.

40 वर्षों बाद भी रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे सुवाभोड़ी सिरकी खुर्द चैनपुर झाबर और बेलटिकरी के ग्रामीण



कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड स्थ्रष्टरु और स्थानीय प्रशासन की तानाशाहीपूर्ण नीतियों के कारण दीपका क्षेत्र के भू-विस्थापित परिवारों का जीवन संकट में आ पड़ा है भूमि अर्जन और विस्थापन के 40 वर्ष बीत जाने के बाद भी विस्थापितों की समस्याओं का अंत नहीं हो सका है और रोजगार व पुनर्वास की मांगें आज भी अधर में लटकी हुई हैं एसईसीएल प्रबंधन की इस वादाखिलाफी और उपेक्षा के विरोध में ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के तत्वाधान में आज 22 अक्टूबर 2026 गुरुवार को प्रातः 11:00 बजे ग्राम पंचायत अंडीकछार स्थित टिनठिकिया स्थान पर एक विशाल भू-विस्थापित महासम्मेलन का आयोजन किया गया ।

इस महासम्मेलन में दीपका क्षेत्र के अर्जित एवं पुनर्वासित गांवों सुवाभोड़ी सिरकी खुर्द चैनपुर झाबर और बेलटिकरी के प्रभावित ग्रामीण युवा बुजुर्ग और महिलाएं एकजुट होकर एसईसीएल प्रशासन के खिलाफ हुंकार भरें ।

महासम्मेलन के मुख्य मुद्दे

ग्राम सुवाभोड़ी की प्रमुख मांगें पर लंबित मुआवजा एवं परिसंपत्तियों का अविलंब भुगतान 5 लाख की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि बसाहट पात्रता दस्तावेजों में व्याप्त नाम व जाति संबंधी त्रुटियों का तत्काल सुधार स्थानीय युवाओं एवं महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार का अधिकार के विषयों पर विशेष चर्चा पर प्रस्ताव पारित किया गया !

इसके साथ ही पुनर्वासित क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाएं सिरकी खुर्द चैनपुर झाबर बेलटिकरी ग्रामीणों को भूमि पट्टे का आवंटन पक्की सड़कें नाली पुल-पुलिया गार्डन सामुदायिक भवन मुक्तिधाम तालाब और स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाएं लंबित मुआवजा व पुनर्वास नीति के तहत सभी पात्रताओं का पारदर्शी निपटारा भू-विस्थापित कोटा टेंडर व स्वरोजगार अधिकार वैकल्पिक स्वरोजगार हेतु निर्धारित 5 लाख की टेंडर सीमा को बढ़ाकर 20 लाख स्थानीय भू-विस्थापित ठेकेदारों के साथ किए जा रहे भेदभाव को तुरंत समाप्त के संबंध में भी निर्णय व प्रस्ताव पारित किये गये !

ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने दीपका क्षेत्र के समस्त प्रभावित ग्रामों के निवासियों माताओं-बहनों बुजुर्गों और विशेष रूप से युवाओं से अपील की है कि वे अपने हक और अधिकार की इस निर्णायक लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें ।

अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने कहा वर्षों से अपनी जमीन देकर देश को रोशन करने वाले किसान आज अपने ही हक के लिए तरस रहे हैं एसईसीएल की इस तानाशाही रवैये को अब बर्दाश्त नहीं की जायेगा और महासम्मेलन में अन्य समस्याओं का भी ऐतिहासिक निर्णय व प्रस्ताव लिया गया तथा इसी मंच से एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ आगामी लड़ाई व संघर्ष की तैयारी की जाएगी !



दिव्य आकाश

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

आश्विन शुक्ल द्वादशी, विक्रम संवत् 2083, कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 23 से 29 अक्टूबर 2026

सुविचार

रचनात्मक कार्य वह शक्ति है, जो नए विचारों को आकार देती है...।

माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर में 501 कन्याओं का महापूजन एवं कन्या भोज का दिव्य आयोजन



माँ की भक्ति का अनूठा समागम

माता रानी के रूप में कन्या भोज में बैठी बालिकाओं के समूह ने सनातन परंपरा का जीवंत दर्शन कराया

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सनातन संस्कृति और अगाध आस्था का केंद्र माँ श्री सर्वमंगला का पावन धाम महाअष्टमी-नवमी के पावन अवसर पर भक्ति के अनुपम रस में सराबोर हो उठा। शारदीय नवरात्रि की पूर्णाहूति के दूसरे दिन अष्टमी/नवमी के शुभ अवसर पर मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और महाहवन के पश्चात 501 कन्याओं के महापूजन एवं भव्य कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान पूरा परिसर 'जय माता दी' के जयकारों से गुंजायमान रहा।









श्रद्धालुओं और सेवादारों का अनुकरणीय समर्पण

इस महाआयोजन को गरिमामयी ढंग से संपन्न कराने में विहिप के जिला अध्यक्ष अमरजीत सिंह, मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नन्हा महराज, मयंक पांडेय, राणा मुखर्जी, कान्हा अग्रवाल, राजू, साईं शर्मा, सूरज कलवानी सहित विहिप, बजरंग दल एवं मंदिर समिति के समर्पित कार्यकर्ताओं ने अपनी मुख्य भूमिका निभाई। सभी कार्यकर्ताओं ने पंक्तिबद्ध बैठीं नन्हीं देवियों की सेवा की और उनसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजकों के अनुसार, मां सर्वमंगला के आशीर्वाद से हर वर्ष इस आयोजन का स्वरूप और भव्य होता जा रहा है, जिसमें संपूर्ण कोरबा अंचल के श्रद्धालुओं का अपार सहयोग मिल रहा है।

साक्षात देवी स्वरूप में पूजी गईं कन्याएं



सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए आयोजन में पधारीं सभी 501 बालिकाओं को साक्षात माता रानी का दिव्य स्वरूप माना गया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में पदाधिकारियों एवं माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर प्रबंधन ने अत्यंत श्रद्धा भाव से सभी कन्याओं के चरण पखारे, उन्हें कुमकुम-अक्षत का तिलक लगाया, देवी के रूप में श्रृंगार किया और विधि-विधान से आरती उतारकर महाप्रसाद ग्रहण कराया।

उपहार पा कर खुश हुईं मासूम देवियां

501 कन्याओं का श्रृंगार, पगपखारने, पूजन-आरती करने के बाद अमरजीत, राणा मुखर्जी, नमन पाण्डेय, मयंक पाण्डेय सहित कार्यकर्ताओं ने नन्ही मातारानियों को भोग परोसा और उसके बाद सभी उपस्थित कन्याओं को मंदिर प्रबंधन की ओर से पाण्डेय परिवार की मुखिया श्रीमती गीता देवी पाण्डेय ने सभी कन्याओं को 101 रूपए, अमरजीत-राणा मुखर्जी की ओर से 101 रूपए एवं नन्हा महराज ने सपत्नीक 101 रूपए उपहार में दे कर मातारानियों का पांव छू कर आशीर्वाद लिया। विहिप और बजरंग दल ने उपहार के रूप में सभी कन्याओं को कापी-पेंसिल, पानी बॉटल सहित अन्य लेखन सामाग्री सप्रेमभेंट कर आशीर्वाद लिया। मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालुओं ने भी स्वेच्छा से देवी स्वरूपा कन्याओं को उपहार और मिठाईयां दीं। देवी स्वरूपा कन्याओं की संख्या अधिक होने के कारण पालियों में कन्याभोज कराया गया।



कन्याभोज से शक्ति उपासना का मिलता है फल-नमन पाण्डेय

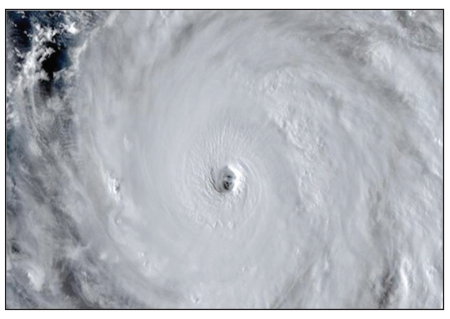
विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल एवं माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर प्रबंधन के संयुक्तावधान में आयोजित 501 कन्याओं का महापूजन एवं कन्याभोज सम्पन्न होने के बाद मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने कहा कि कन्या पूजन एवं कन्याभोज से आदिशक्ति की उपासना का फल मिलता है। 501 कन्याओं का पूजन और कन्याभोज से परिसर और भी पावन हो गया। यह मातारानी की ही कृपा है कि परिसर में यह दिव्य आयोजन हुआ।

सनातन संस्कारों का जीवंत दर्शन

विहिप के जिला अध्यक्ष अमरजीत सिंह सहित अन्य वरिष्ठ जनों ने इस अवसर पर कहा कि सनातन संस्कृति में नारी शक्ति और कन्याओं को पूजनीय माना गया है। नवरात्रि के समापन पर यह आयोजन न केवल हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत करता है, बल्कि भावी पीढ़ी में संस्कारों का बीजारोपण भी करता है।



महातूफान चांपी ने दिखाया 2026 का सबसे रौद्र रूप: 298 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं, ताइवान-जापान में सैंकड़ों उड़ानें रद्द व चीन में अलर्ट



बीजिंग, एजेंसी।

पश्चिमी प्रशांत महासागर में तेजी से आगे बढ़ रहा सुपर टाइफून (महातूफान) चांपी ताइवान और पूर्वी चीन के लिए खतरा बन गया है। बुधवार को यह तूफान 2026 के सबसे शक्तिशाली तूफानों में शामिल हुआ। इसकी अधिकतम एक मिनट की औसत निरंतर हवा की रफ्तार 185 मील प्रति घंटा यानी लगभग 298 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई थी। हालांकि, बृहस्पतिवार को इसकी तीव्रता में कुछ कमी दर्ज की गई। तूफान की ताकत अमेरिकी तूफान श्रेणी के पांचवें स्तर के बराबर पहुंच गई थी। अप्रैल में आए सुपर टाइफून सिनलाकू के साथ चांपी भी इस साल अधिकतम निरंतर हवाओं की रफ्तार के मामले में बराबरी पर रहा। ताइवान की केंद्रीय मौसम प्रशासन के अनुसार, तूफान के केंद्र के आसपास हवा के झोंकों की रफ्तार 227 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक बनी हुई थी।

तूफान के नजदीक पहुंचने के साथ ताइवान के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को भूमि संबंधी चेतावनी जारी की। मौसम विभाग का अनुमान है कि चांपी द्वीप के उत्तर-पूर्वी हिस्से के करीब से गुजरेगा। ताइवान के दक्षिणी सिरे से यह लगभग 520 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में था। ताइवान के परिवहन मंत्रालय के अनुसार, बृहस्पतिवार को 125 उड़ानें रद्द की गईं। इनमें अधिकतर घरेलू उड़ानें थीं। तूफान के कारण परिवहन सेवाओं और दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका है।

गंगा तट पर लड़ाकू विमानों का तांडव: राफेल-सुखोई की गर्जना से कांपा आसमान... 'हर हर महादेव' नारों के साथ गूंज उठा नमो घाट

वाराणसी, एजेंसी।

गुरुवार को नमो घाट से अस्सी घाट तक गंगा किनारे जमा हुए हजारों दर्शकों ने एक अद्भुत और रोमांचक नज़ारा देखा। भारतीय वायु सेना ने 'विंग्स ओवर गंगा' एयर शो के ज़रिए अपनी हवाई युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया, जिसमें राफेल, सुखोई और स्वदेशी तेजस विमानों की दहाड़ ने सबका ध्यान खींच लिया। नमो घाट से अस्सी घाट तक मौजूद हज़ारों दर्शकों ने 'हर हर महादेव' और 'भारत माता की जय' के नारों के साथ उत्साह बढ़ाया, जब भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान पवित्र गंगा नदी के ऊपर आसमान में कलाबाज़ियां दिखाते हुए गुज़रे।

इस एयर शो में राफेल, सुखोई-30MKI, स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान और भारी वज़न उठाने वाले चिनूक हेलीकॉप्टर समेत लगभग 100 विमानों ने हिस्सा लिया। इन विमानों ने भारतीय वायु सेना की युद्ध क्षमता और तैयारियों का शानदार प्रदर्शन किया।



इस प्रदर्शन का एक मुख्य आकर्षण तीन 'किरण' ट्रेनर विमानों का 'काशी' फॉर्मेशन में उड़ना था, जिन्होंने आसमान में तिरंगे के रंग बिखेर दिए। पवित्र गंगा नदी के ऊपर से गुज़रते राफेल और सुखोई-30MKI लड़ाकू विमानों की गूंज ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नमो घाट की सीढ़ियों, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के आस-पास के इलाकों और अस्सी घाट पर लोगों की भारी भीड़ जमा थी, जो इन हवाई करतबों और रणनीतिक उड़ान प्रदर्शनों को देखने के लिए पहुंची थी।

इससे पहले, वाराणसी में होने वाले भारतीय वायु सेना (IAF) के इस एयर शो पर बात करते हुए रक्षा विशेषज्ञ संजीव श्रीवास्तव ने कहा कि गंगा नदी के पवित्र तटों पर इस वर्षगांठ का आयोजन होना, भारत की सांस्कृतिक विरासत, 'सॉफ्ट पावर' और आधुनिक सैन्य क्षमता के एक ऐतिहासिक मिलन को दर्शाता है। श्रीवास्तव ने ज़ोर देकर कहा कि यह आयोजन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारतीय वायु सेना अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है, जो देश के हर नागरिक के लिए प्रेरणा और बेहद गर्व का क्षण है।

श्रीवास्तव ने कहा, 'इस साल भारतीय वायु सेना अपनी 94वीं वर्षगांठ मना रही है। इसी जश्न के हिस्से के तौर पर, गंगा नदी के किनारे इस एयर शो का आयोजन किया जा रहा है। इसके महत्व को इस तरह भी समझा जा सकता है, वाराणसी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सभ्यता के इतिहास और भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रतिनिधित्व करती है ।'

इस जगह के प्रतीकात्मक महत्व पर जोर देते हुए, रक्षा विश्लेषक ने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने जीवित शहरों में से एक में वायु शक्ति का प्रदर्शन, भारत की बढ़ती ताकत और वैश्विक कद को दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'अगर वाराणसी में गंगा नदी के किनारे भारतीय वायु सेना की वर्षगांठ का यह जश्न मनाया जा रहा है, तो यह देश के हर नागरिक के लिए बहुत गर्व की बात है... इसमें हमारे आधुनिक लड़ाकू विमान और हेलीकॉप्टर हिस्सा लेने जा रहे हैं।' श्रीवास्तव ने आगे बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिससे इस भव्य एयर शो का राष्ट्रीय महत्व और भी बढ़ जाएगा। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इसे देखने और इसमें शामिल होने आ रहे हैं... इसलिए यह पूरे भारत देश के लिए बहुत गर्व की बात है।'

शाह बोले-कांग्रेस 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी

राहुल का नाम लिए बिना कहा- प्रदर्शन और धरने से कुछ नहीं होगा, जनता के बीच जाएं

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन और धरने से कुछ हासिल नहीं होता। चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझनी होंगी और कल्याणकारी योजनाओं पर काम करना होगा।

उन्होंने कहा, विपक्ष राजनीतिक चालबाजी और भीड़ के दम पर जनता के जनादेश को चुनौती नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आ पाएगी।

शाह दिल्ली में यमुना पुनर्जीवन से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपए की 33 परियोजनाओं की शुरुआत की।

उन्होंने कहा भाजपा की जीत के बाद चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते हैं। दरअसल विपक्ष वोट चोरी का मुद्दा उठाकर अपनी हार का बहाना बना रहा है।

जब विपक्ष चुनाव हारता है तो चुनाव आयोग की आलोचना करता है, जबकि अदालतों के फैसले अपने पक्ष में आने पर उन्हें सही बताता है। शाह ने केरल, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में विपक्षी दलों की जीत का हवाला देते हुए कहा कि वहां भी वही EVM और चुनाव आयोग थे।

सोनिया गांधी पहली बार सोशल मीडिया पर, इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया:नई किताब का वीडियो शेयर किया, यह 10 नवंबर को लॉन्च होगी

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को पहली बार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया। उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में आने वाली किताब Belonging: A Journey of Love का वीडियो शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को लॉन्च होगी।

सोनिया ने पहली पोस्ट गुरुवार सुबह 9 बजे की थी। इसमें लिखा कि नमस्कार, 'मैं अपनी किताब आप सभी के साथ साझा करके खुश हूं। यह प्यार, कर्तव्य, अपनों को खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है। मैं इसे आप सबके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं।' वीडियो में सोनिया अपने करीबियों और बेटी प्रियंका गांधी के साथ नजर आ रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने मां को मिठाई भी खिलाई।

2027-28 तक तैयार होगी ब्रह्मोस-नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रह्मोस एयरोस्पेस 2027-2028 तक ब्रह्मोस-नेक्स्ट जेनरेशन पहला प्रोटोटाइप तैयार कर सकता है। ब्रह्मोस-NG यानी मिसाइल का छोटा और हल्का रूप है। अभी वाली ब्रह्मोस 3 टन की है, इसलिए एक सुखोई-30 पर 1 ही मिसाइल लगती है। नई ब्रह्मोस-NG (नेक्स्ट जेनरेशन) सिर्फ 1.3 टन का होगा। सुखोई पर 3 मिसाइल लगेंगी। तेजस, राफेल जैसे छोटे फाइटर जेट पर भी लग सकेगी। यानी इसकी ज्यादा स्वदेशी, नई टेक्नोलॉजी और हल्के मटेरियल से बनेगी।

सरोकार

परीक्षा माफियाओं पर सख्ती जरूरी

परीक्षा माफियाओं के कारण कई प्रतिभावान बच्चों का भविष्य अंधकार में चला जाता है और अपात्र लोगों को पैसे के बल पर उपकृत कर दिया जाता है। बच्चे अपने स्वर्णिम भविष्य के लिए सपना देखते हैं और उसके हिसाब से कड़ी मेहनत करते हैं और संघर्षों को चीर कर लक्ष्य के करीब पहुंचते हैं, लेकिन उनका सपना, तब सपना रह जाता है कि परीक्षा माफियाओं के कारण प्रतियोगी परीक्षाओं में वे सफल नहीं हो सके। कुछ बच्चों का हौसला इतना बड़ा होता है कि वे स्वयं पर विश्वास दृढ़ रखते हैं और अपना अधिकार पाने के लिए आगे की लड़ाई लड़ते हैं, लेकिन कुछ बच्चे अपने परिणाम पर अफसोस तो करते हैं, लेकिन परिस्थिति से समझौता भी कर लेते हैं और किस्मत का रोना रोने लगते हैं और आगे की तैयारी करते हैं। जब यही परिणाम बार-बार आता है तो कई बार बच्चे घातक कदम उठा लेते हैं। आज सिस्टम इतना करप्ट हो गया है कि प्रतिभा के सामने माफिया जीत जाते हैं। परीक्षा माफियाओं पर सख्ती जरूरी है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश कृष्ण राम महापात्रा के परामर्श के बाद सरकार ने एक कदम आगे बढ़ाया और त्वरित न्याय के लिए अदालतें नामित की।

-संपादक

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक- पालक संवाद जरूरी

आज शिक्षा का अर्थ केवल किताबी ज्ञान या परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं रह गया है। एक आदर्श शिक्षा वह है, जो बच्चे का सर्वांगीण विकास कर सके। बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक, नैतिक और सामाजिक रूप से विद्यार्थी जब सशक्त होंगे, तभी बच्चों का भविष्य स्वर्णिम हो सकेगा और राष्ट्र के विकास में ऐसे बच्चे, जो युवा बनेंगे, भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

बच्चों की संपूर्ण शिक्षा का मार्ग तभी प्रशस्त होगा, जब शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावक भी बच्चों के प्रति पूरी ईमानदारी से अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करेंगे

शिक्षक- अभिभावक संवाद बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए एक सेतु के समान है, जिसमें लगातार संपर्क जरूरी है।

बच्चों का भविष्य सिर्फ अकेले विद्यालय की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि शिक्षक-अभिभावक मिलकर ही बच्चों का भविष्य गढ़ सकते हैं। अक्सर देखने में आता है कि पालक सोचतें हैं कि हम बच्चे के अच्छे स्कूल में दाखिला करा दिया, फीस भर दी और अपनी जिम्मेदारी पूरी हो गई। कभी-कभी शिक्षक भी सोचतें हैं कि स्कूल के समय जो पढ़ा दिया, वह पर्याप्त है। इसी सोच के बीच बच्चा कहीं पीछे छूट जाता है। जब पालक या अभिभावक बच्चों पर ध्यान नहीं देते और अपने पर छोड़ देते हैं, तब बच्चा कभी-कभी भटक जाता है और गलत संगति के कारण उसका भविष्य अंधेरे के गर्त में चला जाता है।



एआई जनरेटेड

बच्चों की हर जरूरत का ध्यान रखें

बच्चों के प्रति अभिभावकों को अपनी पूरी जिम्मेदारी निभानी होगी और पढ़ाई से संबंधित हर जरूरतों को पूरी करने की कोशिश अभिभावकों को करनी होगी। समय पर बच्चों की स्कूल फीस, कापी-पुस्तक सहित हर जरूरतों को अभिभावक पूरी करने की कोशिश करें, यह भी ध्यान रखें कि बच्चों को अधिक दबाव में ना रखें, लेकिन उन पर नजर जरूर रखें।

बच्चों के सर्वांगीण विकास का सेतु है संवाद

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक-अभिभावक संवाद सेतु का काम करता है और ये दोनों रथ के दो पहिए के सामान हैं। जैसे रथ के दो पहिए होते हैं, वैसे ही शिक्षा के दो पहिए हैं शिक्षक-अभिभावक। एक भी कमजोर हुआ, तो रथ आगे नहीं बढ़ेगा। इसलिए जरूरी है कि दोनों के बीच निरंतर, खुला और सम्मानजनक संवाद बना रहे। जब शिक्षक और पालक मिलकर चलेंगे, तभी एक सफल विद्यार्थी का निर्माण कर पाएंगे, जो प्रतिभावान भी हो और जीवन में सफल भी।



डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

जब हम शिक्षक-अभिभावक मिलकर बच्चों के प्रति अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो एक ऐसे विद्यार्थी का निर्माण कर पाएंगे, जो युवा बनकर आत्म निर्भर बनेगा और एक अच्छा इंसान बनकर राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभाकर अलग पहचान भी बनाएगा।

शिक्षक-अभिभावक संवाद क्यों जरूरी!

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक-अभिभावक संवाद जरूरी है, इसीलिए विद्यालयों में पैरेंट्स मीटिंग रखी जाती है। संवाद से बच्चों को समझने, उनकी समस्याओं को जानने का अवसर मिलता है। आज कल बच्चे 5 से 7 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए घातक है, संवाद से ही इसे छुड़ाया जा सकता है। इस तरह की अन्य समस्याओं का हल तभी संभव है, जब विद्यालय में शिक्षक, पालक और बच्चे साथ बैठकर संवाद करें और सेतु का काम करें।

रेल नेटवर्क के विस्तार से बदल रही छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी

औद्योगिक विकास को मिलेगी नई गति

प्रदेश में 51 हजार 80 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम जारी

नए रेल कॉरिडोर से माल ढुलाई, औद्योगिक कनेक्टिविटी और आदिवासी अंचलों के विकास को मिलेगी गति

छत्तीसगढ़ में आधारभूत रेल अधोसंरचना का तेजी से विकास हो रहा है, जिसका लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रेलवे स्टेशनों के विकसित होने से यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बेहतर प्रतीक्षालय, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, स्वच्छ परिसर, आधुनिक यात्री सुविधाएं तथा उन्नत अधोसंरचना से आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण रेल सेवाएं उपलब्ध होंगी।

देश के प्रमुख औद्योगिक और खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल छत्तीसगढ़ में रेलवे नेटवर्क का विस्तार अब राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों से जुड़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 51,080 करोड़ रुपये की रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। छत्तीसगढ़ मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे के विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। प्रदेश में नई रेल परियोजनाओं, दोहरीकरण, विद्युतीकरण तथा आधुनिक रेलवे सुविधाओं के विस्तार से विकास को नई दिशा मिल रही है। यह परिवर्तन विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से छत्तीसगढ़ में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के रेलवे बजट का आवंटन बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपये कर दिया है जो वर्ष 2009-14 के दौरान औसतन 311 करोड़ रुपये सालाना था। इस तरह वार्षिक औसत आवंटन में करीब 24 गुना वृद्धि हुई है। इस निवेश का प्रमुख उद्देश्य व्यस्त रेल मार्गों पर दबाव कम करना, खनिज और औद्योगिक माल की आवाजाही बढ़ाना तथा उन क्षेत्रों तक रेल संपर्क पहुंचाना है, जहां अब तक कनेक्टिविटी सीमित रही है।

राष्ट्रीय माल ढुलाई को मिलेगा वैकल्पिक रेल मार्ग

छत्तीसगढ़ की रेल रणनीति में खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा रेल कॉरिडोर महत्वपूर्ण है। करीब 278 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अप्रैल 2025 में मंजूर दी थी। तब इस परियोजना की लागत 8,741 करोड़ रुपये अनुमानित थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया और इसकी अनुमानित लागत 7,854 करोड़ रुपये कर दी गई। इस परियोजना का उद्देश्य बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग के व्यस्त रेल खंडों को बाईपास कर माल और यात्री ट्रेनों के लिए अतिरिक्त रेल लाईन बिछाना है। इस कॉरिडोर से कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग पर परिचालन का दबाव कम करने और बलौदाबाजार सहित नए औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क देने की योजना है। इससे कोयला, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट और बिजली उत्पादन से जुड़े उद्योगों के लिए माल ढुलाई की क्षमता बढ़ेगी और सड़क मार्ग पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।साथ ही, मालगाड़ियों की आवाजाही सुगम होने से औद्योगिक इकाइयों को बाजारों तथा बंदरगाहों तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी।

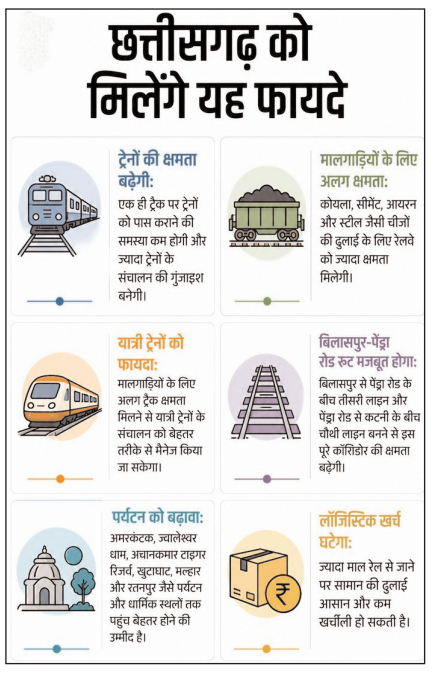
उत्तर छत्तीसगढ़ के लिए भी नई परियोजनाएं



कटघोरा से डोंगरगढ़ तक नए संपर्क की योजना

प्रस्तावित कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल लाइन की लंबाई करीब 295 किलोमीटर है। यह मार्ग कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक प्रस्तावित है। परियोजना को रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ सरकार के संयुक्त उपक्रम के माध्यम से विकसित करने की योजना है। इसके लिए स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) गठित करने का प्रस्ताव है। इस रेल लाइन का महत्व उन क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने में है, जहां अभी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है या सीमित है। इससे यात्रियों की आवाजाही, कृषि उत्पादों के परिवहन, व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।





स्टेशनों का आधुनिकीकरण

छत्तीसगढ़ में नई रेल लाइनों के साथ मौजूदा नेटवर्क और स्टेशनों को आधुनिक बनाने पर भी काम किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशनों को करीब 1,680 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों के लिए सुविधाएं बेहतर करना और स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में रेल अधोसंरचना का व्यापक आधुनिकीकरण हो रहा है और इसका प्रत्यक्ष लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चांपा, बालोद एवं सरोना रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल लोकार्पण प्रदेश के रेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बस्तर की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

रेल नेटवर्क के विस्तार का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू बस्तर की कनेक्टिविटी है। रावघाट-जगदलपुर (140 किमी)की महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। जबकि किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किमी) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) की 490 किलोमीटर नई रेल लाइन परियोजना का सर्वे कार्य प्रगति पर। दल्लीराजहरा-रावघाट रेल परियोजना के तहत दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक रेल सेवाएं शुरू हो चुकी हैं। इस रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। इस परियोजना के अगले चरण में रावघाट तक संपर्क विकसित करने का काम चल रहा है। परियोजना पूरी होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) और अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) रेल कॉरिडोर को भी रेल मंत्रालय द्वारा जल्दी ही मंजूर किए जाने की संभावना है। अगस्त 2026 में इन प्रस्तावों पर जल्दी निर्णय और सर्वेक्षण की प्रक्रिया तेज करने का मुद्दा उठाया गया था। इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था मजबूती होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रेलवे केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का सशक्त आधार है। चांपा, बालोद और सरोना जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों के उन्नयन से व्यापार, पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। इससे लोगों के लिए आवागमन अधिक सुगम होगा और रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।



प्रहार

26/11 के बाद की सबसे बड़ी कानूनी जंग, जहाँ बंदूकों से नहीं दलीलों से जीती गई जंग

फिल्म प्रहार 26/11 हमले के बाद सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की ऐतिहासिक कानूनी जंग और उनके निजी संघर्ष को दर्शाती है। अविनाश अरुण के निर्देशन में बनी यह कहानी आतंकी कसाब को सजा दिलाने के तनावपूर्ण घटनाक्रम को बखूबी उजागर करती है। राजकुमार राव का दमदार और सहज अभिनय इस सस्पेंस से भरे कोर्टरूम ड्रामे को बेहद प्रभावशाली बनाता है।

कुछ फिल्में अपने जॉनर की सीमाओं को पार कर जाती हैं और दर्शकों को ऐसा अनुभव देती हैं, जो लंबे समय तक याद रहता है। कोर्टरूम ड्रामा भी ऐसा ही जॉनर है, जहां रोमांच सिर्फ अदालत में होने वाली बहसों से नहीं, बल्कि इंसाफ की लड़ाई लड़ने वाले इंसान के संघर्ष से पैदा होता है। 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' इसी पहलू को सामने लाती है। यह फिल्म 26/11 के बाद उज्ज्वल निकम के सामने आई कानूनी चुनौतियों के साथ उनकी निजी जिंदगी में मची उथल-पुथल को भी दिखाती है। यही वजह है कि फिल्म का फोकस सिर्फ केस और उसके फैसले पर नहीं, बल्कि उस इंसान पर भी रहता है जिसकी जिंदगी इस लड़ाई के बीच लगातार बदल रही है।

26/11 के खौफनाक हमले के बाद जब पूरा देश सदमे में था, तब असली लड़ाई अदालत के दरवाजों के पीछे शुरू हुई। यह कहानी है उस ऐतिहासिक कानूनी जंग की, जहाँ एक तरफ खूंखार आतंकी कसाब का केस था, तो दूसरी तरफ पूरे देश को इंसाफ दिलाने की जिम्मेदारी। सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने किस तरह कड़े सबूतों और मजबूत दलीलों के दम पर इस नामुमकिन सी दिखने वाली लड़ाई को लड़ा और आतंक के सबसे बड़े गुनहगार को उसके अंजाम तक पहुँचाया, प्रहार इसी सच्चाई और न्याय के संघर्ष को बेहद आसान और सीधे शब्दों में बयां करती है।

यह कोर्ट में तब शुरू हुआ एक ऐसा अदालती महा-संग्राम, जिसने पूरे देश की सांसें थाम दीं। प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम, कोई साधारण कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा माइंड-गेम है जहाँ हर एक शब्द मौत और जिंदगी का फैसला तय करता है।

इस हाई-वोल्टेज खेल के केंद्र में खड़े हैं राजकुमार राव, जिनकी ठंडी और सधी हुई निगाहें ही कोर्टरूम में ऐसा खौफनाक सन्नाटा पैदा कर देती हैं, जो किसी भी बड़े हंगामे से ज्यादा भारी पड़ता है। उनके सामने जब कठघरे में खड़े चेहरे (ललित प्रभाकर) की बेचैनी और वकील के रूप में सिकंदर व जयदीप अहलावत के पैंतरे आमने-सामने आते हैं, तो स्क्रीन पर तनाव अपनी चरम सीमा पर पहुँच जाता है।

अविनाश अरुण का निर्देशन और दिनेश विजन (मैडॉक फिल्म्स) का विज़न आपको कहानी के इस चक्रव्यूह में ऐसे उलझाता है कि आप हर अगले पल यह अंदाज़ा लगाने को मजबूर हो जाते हैं कि अगली चाल किसकी होगी। कैमरे की खामोशी, दिल की धड़कनें बढ़ा देने वाला बैकग्राउंड स्कोर और रिश्तों के बीच सुलगती अनकही आग के साथ यह फिल्म आपको अंत तक अपनी सीट से हिलने नहीं देगी।

यह फिल्म सिर्फ इसलिए नहीं देखी जानी चाहिए कि यह 26/11 के हमले के बाद की ऐतिहासिक कानूनी लड़ाई को दिखाती है, बल्कि इसलिए भी कि यह एक सच्चे नायक के त्याग और संघर्ष को बेहद खूबसूरती से सामने लाती है। राजकुमार राव का बिना किसी एकस्ट्रा ड्रामे का, सहज और रोंगटे खड़े कर देने वाला अभिनय इस कहानी की असली जान है। कोर्टरूम के सस्पेंस के साथ-साथ यह फिल्म एक इंसान की निजी ज़िंदगी और पारिवारिक रिश्तों के उस अनकहे दर्द को भी छूती है, जिसे अक्सर देश सेवा के पीछे अनदेखा कर दिया जाता है। अगर आप बेहतरीन अभिनय, मजबूत कंटेंट और देश को हिला देने वाली असली कहानी पर बनी फिल्में पसंद करते हैं, तो प्रहार एक ऐसा सिनेमाई अनुभव है जिसे आपको बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए।

डायरेक्टर- अविनाश अरुण
कास्ट- राजकुमार राव, वामिका गब्बी, ललित प्रभाकर, जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, आशीष विद्यार्थी
ड्यूरेशन- 140 मिनट
रेटिंग- 4

सुनील कुमार होंगे ONGC के नए चेयरमैन, कार्यकारी निदेशक से कंपनी प्रमुख बनने वाले पहले अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ONGC) के कार्यकारी निदेशक (ई.डी.) सुनील कुमार को कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया है। इसके साथ ही वह कंपनी के इतिहास में कार्यकारी निदेशक के पद से सीधे शीर्ष पद पर पहुंचने वाले पहले अधिकारी बन गए हैं। नियुक्ति संबंधी फैसले के अनुसार, कुमार अरुण कुमार सिंह का स्थान लेंगे जिनका विस्तारित कार्यकाल छह दिसंबर को समाप्त हो रहा है। यह नियुक्ति कई चरणों वाली चयन प्रक्रिया के बाद हुई है। इसमें खोज-सह-चयन समिति ने दो दौर के साक्षात्कार के बाद कुमार के नाम की सिफारिश की थी। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी।

जारी आदेश के अनुसार, फिलहाल ओएनजीसी की मेहसाणा परिसंपत्ति के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत 58 वर्षीय कुमार को कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वह सात दिसंबर, 2026 या उसके बाद कार्यभार संभालने की तारीख से 31 दिसंबर, 2028 को सेवानिवृत्ति तक इस पद पर रहेंगे। इसके बाद उन्हें संविदा के आधार पर नियुक्त किया जाएगा। उनका कुल कार्यकाल तीन साल या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, रहेगा। कुमार की पदोन्नति ओएनजीसी में शीर्ष पद पर नियुक्ति की परंपरागत प्रक्रिया से अलग है। आम तौर पर कंपनी के चेयरमैन पद तक पहुंचने के लिए निदेशक मंडल के स्तर पर काम करने का पूर्व अनुभव जरूरी रहा है।

ओएनजीसी में यह पहला मौका है जब किसी अधिकारी को कार्यकारी निदेशक के पद से सीधे कंपनी के शीर्ष पद पर नियुक्त किया गया है। कार्यकारी निदेशक का पद निदेशक मंडल के स्तर से एक पायदान नीचे होता है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आई.ओ.सी.) और गेल (इंडिया) लि. जैसी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा कंपनियों में इस तरह की नियुक्तियां हुई हैं लेकिन ओएनजीसी में अबतक ऐसा नहीं हुआ था। कुमार की नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब सरकार घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रही है। वह देश की सबसे बड़ी तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी की कमान संभालेंगे।

कुमार ने 8 जनवरी, 2025 को ओएनजीसी की मेहसाणा परिसंपत्ति के कार्यकारी निदेशक और परिसंपत्ति प्रबंधक का कार्यभार संभाला था। इसके बाद उन्हें 24 जनवरी, 2025 से ओएनजीसी टेरी बायोटेक लि. के निदेशक मंडल में ओएनजीसी के नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। कुमार ने धनबाद स्थित इंडियन स्कूल ऑफ माइंस से पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई की है। उनके पास विपणन और वित्त में विशेषज्ञता के साथ व्यापार प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिग्री है। उनकी लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, उन्होंने 1991 में असम के शिवसागर-नजीरा क्षेत्र में उत्पादन विभाग में सहायक कार्यकारी इंजीनियर के रूप में ओएनजीसी में अपना करियर शुरू किया था।

तीन दशक से अधिक के करियर में उन्होंने उत्पादन और अपतटीय क्षेत्र में तेल एवं गैस परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों में काम किया है। कुमार का चयन व्यापक खोज प्रक्रिया के बाद हुआ है। इस पद के लिए ओएनजीसी और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने आवेदन किया था। इनमें तेल एवं गैस उत्पादक कंपनियों के प्रमुख और खोज, उत्पादन, प्रौद्योगिकी, वित्त तथा परिचालन संबंधी कामकाज देखने वाले निदेशक शामिल थे। इस पद के लिए शुरुआत में कम से कम 19 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। इनमें ओएनजीसी विदेश लि. के प्रबंध निदेशक राजर्षि गुप्ता, ओएनजीसी के प्रौद्योगिकी एवं क्षेत्रीय सेवाओं के निदेशक विक्रम सक्सेना, खोज निदेशक ओ पी सिन्हा, वित्त निदेशक अनुपम अग्रवाल और उत्पादन निदेशक भास्कर चौधरी नेत्तेम शामिल थे।

शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 460 अंक फिसला, निफ्टी 22,687 पर बंद

मुंबई, एजेंसी।



शेयर बाजार में आज 22 अक्टूबर को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 460.30 अंक (0.62 प्रतिशत) गिरकर 73,249.39 पर आ गया। वहीं, निफ्टी 123.70 अंक (0.54प्रतिशत) टूटकर 22,687.65 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मजबूती से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से पावरग्रिड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स, एनटीपीसी, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, इंडिगो और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे।

गिरावट की बड़ी वजहें

पश्चिमी एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उछाल सेंसेक्स डेरिवेटिव्स की एक्सपायरी से बढ़ी हलचल ऑटो, FMCG और मेटल शेयरों में भारी बिकवाली India VIX में तेजी से बढ़ी निवेशकों की चिंता

।। श्री गणेशस्किाभ्याम नमः ।। श्री धनवन्तरयै नमः ।।
आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र
Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता
इन बीमारियों का ईलाज
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945
रीएनईसी चौक · स्टेडियम रोड · ट्रांसपोर्ट नगर चौक · मुड़ापार रोड · पॉलीटेक्निक रोड

वित्त मंत्रालय एक नवंबर से संशोधित जीएसटी रिटर्न फॉर्म पर सुझाव करेगा आमंत्रित

नई दिल्ली, एजेंसी।

वित्त मंत्रालय मासिक जीएसटी रिटर्न फॉर्म में प्रस्तावित बदलावों पर एक नवंबर से कारोबारियों की राय मांगेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के जीएसटी नीति प्रभाग के आयुक्त गौरव सिंह ने कहा कि विभाग जीएसटी ऑडिट प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की दिशा में भी काम करेगा। केंद्र एवं राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में जीएसटी रिटर्न (कर वापसी) में देनदारियों और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) में संशोधन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था को मंजूरी दी गई थी। इसका उद्देश्य विसंगतियों को कम करना और नोटिस या सूचना भेजने की जरूरत घटाना है।

परिषद ने जीएसटी फॉर्म जीएसटीआर-1, जीएसटीआर-1ए और आईएफएफ में सुधारों को मंजूरी दी थी, ताकि इन फॉर्म में दी गई जानकारी का मासिक कर भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी में दी गई जानकारी से बेहतर मिलान किया जा सके। सिंह ने कहा कि संशोधित जीएसटी रिटर्न फॉर्म एक नवंबर को एमवाईजीओवी मंच पर सार्वजनिक परामर्श के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। इन पर 30 नवंबर तक सुझाव दिए जा सकेंगे। संशोधित जीएसटी रिटर्न फॉर्म एक अप्रैल, 2027 से लागू होगा।

आठ अक्टूबर को हुई जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में लिए गए फैसलों से संबंधित अधिसूचनाओं और परिपत्रों की विधि विभाग ने जांच कर ली है। इन्हें शुक्रवार को सार्वजनिक किया जाएगा। सिंह ने साथ ही कहा कि आईटीसी श्रृंखला की अखंडता से जुड़ी समस्याएं दूर होने पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में आगे के सुधारों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा, ऑडिट के संबंध में हमें समीक्षा करनी होगी। जीएसटी नीति प्रभाग के आयुक्त ने कहा कि प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए कि करदाताओं को परेशानी का सामना न करना पड़े। फिलहाल, एक से अधिक राज्यों में कारोबार करने वाली कंपनियों को उन राज्यों के जीएसटी अधिकारियों द्वारा कई बार ऑडिट का सामना करना पड़ता है।

इस इलेक्ट्रिक बाइक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड एक चार्ज में चली 436 किलोमीटर

नई दिल्ली, एजेंसी।



इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में एक ऐसा ऐतिहासिक कीर्तिमान बना है, जिसने रेंज को लेकर लोगों की सोच पूरी तरह बदल दी है। अमेरिकी वाहन निर्माता कंपनी Zero Motorcycles की इलेक्ट्रिक बाइक Zero DS ने एक ही चार्ज में इतनी लंबी दूरी तय कर दिखाई है, जिसकी कल्पना भी अब तक मुश्किल मानी जाती थी। बेल्जियम के राइडर जेले वेरस्टेन ने इस बाइक से 436.5 किलोमीटर का सफर तय करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा लिया है। आइए जानते हैं कि इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग राइड की पूरी कहानी क्या है और Zero DS ने यह उपलब्धि कैसे हासिल की।

पब्लिक रोड्स पर बना नया कीर्तिमान

Zero DS इलेक्ट्रिक बाइक ने सिंगल चार्ज में 436.5 किमी की दूरी तय कर दुनिया भर में अपनी तकनीकी क्षमता का लोहा मनवाया है। इस राइड के दौरान बेल्जियम के राइडर जेले वेरस्टेन ने फ्रांस और इटली के खूबसूरत रास्तों से होते हुए मेडिटेरेनियन कोस्ट तक का सफर तय किया। इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह रही कि यह दूरी किसी बंद टेस्ट ट्रैक पर नहीं, बल्कि आम ट्रैफिक और असल परिस्थितियों वाली सार्वजनिक सड़कों पर तय की गई।

पुराने रिकॉर्ड को 40 प्रतिशत से ज्यादा पछाड़ा

Zero DS से पहले एक बार फुल चार्ज करने पर सबसे लंबी दूरी तय करने का विश्व रिकॉर्ड Verge Motorcycles की TS Pro बाइक के नाम दर्ज था, जिसने 310.68 किलोमीटर का सफर तय किया था। Zero DS ने इस पुराने रिकॉर्ड को 125.82 किलोमीटर के भारी अंतर से ध्वस्त कर दिया। यह पिछले रिकॉर्ड के मुकाबले लगभग 40 प्रतिशत ज्यादा दूरी है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ Zero DS ने इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में रेंज और परफॉर्मेंस का एक नया पैमाना तय कर दिया है।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं
नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886



बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट 'नॉर्थ बॉम्बे सार्वजनीन दुर्गा पूजा' में शामिल हुईं। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' फेम इस अभिनेत्री ने पारंपरिक बंगाली लुक अपनाकर फैशन की एक बेहतरीन मिसाल पेश की

अमेरिका में हुंडई मोटर 94,000 से अधिक वाहनों को वापस मंगाएगी, पावर सीट मोटर ओवरहीट होने से आग लगने का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी।



अमेरिकी परिवहन अधिकारियों के अनुसार, हुंडई मोटर अमेरिका में 94,000 से अधिक हुंडई और जेनेसिस वाहनों को वापस मंगाएगी। इन वाहनों में पावर सीट की मोटरें ओवरहीट (अत्यधिक गर्म) हो सकती हैं, जिससे आग लगने का खतरा है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा 9 अक्टूबर को जारी एक नोटिस में कहा गया है कि इस कदम से 94,622 वाहन प्रभावित होंगे। इनमें 2015-2016 के कुछ हुंडई जेनेसिस मॉडल और 2017-2020 के जेनेसिस G 80 मॉडल शामिल हैं। एजेंसी ने बताया कि पावर सीट कंट्रोल स्विच के फंस जाने के कारण सामने की पावर सीट की मोटरें ओवरहीट हो सकती हैं। इससे वाहन के खड़े होने या चलते समय आग लगने का खतरा हो सकता है।

वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि जब तक मरम्मत का काम पूरा न हो जाए, तब तक वे अपने वाहनों को बाहर और अन्य वाहनों या इमारतों से दूर पार्क करें, क्योंकि आग लगने से चोट लगने का खतरा हो सकता है। एजेंसी के अनुसार, इस खराबी को ठीक करने का तरीका अभी तैयार किया जा रहा है। प्रभावित वाहन मालिकों को 7 दिसंबर तक सूचना पत्र भेजे जाने की उम्मीद है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को जॉर्जिया में एक चुनावी रैली के दौरान दक्षिण कोरियाई ऑटोमोटिव पार्ट्स निर्माता 'हुंडई ट्रांसिस इंक' (Hyundai Transys Inc.) की योजना का जिक्र किया। कंपनी जॉर्जिया में लगभग 560 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करने जा रही है। ट्रम्प मध्यावधि चुनावों से पहले अपने आर्थिक एजेंडे का प्रचार कर रहे थे।

जॉर्जिया के डाल्टन में आयोजित रैली के दौरान ट्रम्प ने कहा, 'हुंडई ने अभी घोषणा की है कि वह जॉर्जिया के वेस्ट पॉइंट में अपनी फैक्ट्रियों के विस्तार के लिए 560 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी।' यहां उनका इशारा संभवत: 'हुंडई ट्रांसिस' की ओर था, जो दक्षिण कोरिया के 'हुंडई मोटर ग्रुप' की ऑटोमोटिव पार्ट्स बनाने वाली एक सहयोगी कंपनी है। इस निवेश योजना की घोषणा पिछले हफ्ते जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प के कार्यालय द्वारा की गई थी। गवर्नर के कार्यालय के अनुसार, 'हुंडई ट्रांसिस' वेस्ट पॉइंट में अपनी दो मौजूदा निर्माण इकाइयों को अपग्रेड करने और एक तीसरा प्लांट लगाने की योजना बना रही है। इससे हाइब्रिड वाहनों के पावरट्रेन का उत्पादन बढ़ेगा और 320 नई नौकरियां भी पैदा होंगी

त्योहारी सीजन में वाहनों की बंपर बिक्री: 7 दिनों में टू-व्हीलर रजिस्ट्रेशन 23% बढ़ा, जेफरीज रिपोर्ट का खुलासा

मुंबई, एजेंसी।

जेफरीज की एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, भारत में चल रहे त्योहारी सीजन के पहले सात दिनों में टू-व्हीलर रजिस्ट्रेशन में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की उछाल आई है। यह पैसेंजर वाहनों में दर्ज की गई 7 प्रतिशत की ग्रोथ से काफी अधिक है। टू-व्हीलर्स में यह मजबूत ग्रोथ पिछले साल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) में कटौती के बाद बने ऊंचे आधार (high base) के बावजूद देखने को मिली है। इससे पता चलता है कि त्योहारी खरीदारी के इस अहम दौर में इस सेगमेंट में मांग की रफ्तार लगातार बनी हुई है।

अपनी इक्विटी रिसर्च रिपोर्ट में जेफरीज ने कहा, 'त्योहारी सीजन की शुरुआत के ऑटो रजिस्ट्रेशन डेटा से पता चलता है कि टू-व्हीलर्स, ट्रकों और ट्रैक्टरों की मांग में अच्छी तेजी है।' त्योहारी कैलेंडर में अंतर को ध्यान में रखते हुए, ब्रोकरेज फर्म ने 11-17 अक्टूबर, 2026 के दौरान हुए वाहन रजिस्ट्रेशन की तुलना पिछले साल के त्योहारी दौर (22-28 सितंबर, 2025) से की है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले साल GST में कटौती के बाद बने ऊंचे आधार के बावजूद, त्योहारी सीजन के पहले 7 दिनों में टू-व्हीलर रजिस्ट्रेशन में सालाना आधार पर 23% की मजबूत बढ़ोतरी हुई है।'

शिवाय हॉस्पिटल
नया बस स्टैंड ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा (छ.ग.)
हमारे विशेषज्ञ डॉक्टर
डॉ. दिविक एच. मित्तल MBBS, MS, M.Ch — वरिष्ठ न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन
डॉ. नागेन्द्र बागरी MBBS, DCH, DNB — बाल रोग एवं नवजात शिशु रोग
डॉ. एन. अविनाश M.B.B.S., D.N.B. — जनरल मेडिसिन
डॉ. हिमांशु कोल्हे MBBS, MS, DrNB — लैप्रोस्कोपिक एवं लिवर प्रत्यारोपण सर्जन
डॉ. संतोष राठौड़ MBBS, MS — कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक एवं आर्थ्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. पूर्णिमा सुरभि MBBS, MS — प्रसूति एवं स्त्री रोग
डॉ. वैभव कांत बड़ेरिया MBBS, MS, M.Ch — यूरोलॉजी
डॉ. मनोज कुमार MBBS, MD — रेडियोलॉजी
डॉ. अमन श्रीवास्तव BPT, MPT — फिजियोथेरेपी
डॉ. आस्था वैष्णव BDS, MDS — ओरल एवं मैक्सिलोफेसियल सर्जरी
हमारी अत्याधुनिक सुविधाएं
2D ECHO हृदय की जाँच · NCV TEST नसों की जाँच · कलर डॉपलर सोनोग्राफी · उच्च स्तरीय NICU, PICU सुविधा
आधुनिक पैथोलॉजी लैब · डिजिटल X-RAY · TMT मशीन · CPAP मशीन
◆ सिर की चोट, लकवा, साइटिका का सर्जरी
◆ दूरबीन से किडनी स्टोन की सर्जरी
◆ फ्रैक्चर, जोड़, लिगामेंट सर्जरी
◆ दूरबीन से हर्निया, पथरी व लिवर सर्जरी
◆ डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन
◆ गोल्डन आवर इमरजेंसी केयर
• आयुष्मान, सीएसईबी ,ईएसआईसी सीएपीएफ एवम अन्य बीमा कंपनी से उपचार
• डायलिसिस एवम कैंटीन की सुविधा
• 24X7 सुविधाएं उपलब्ध
सम्पर्क करें :- 9458999333,9458999444
एम्बुलेंस के लिए संपर्क करें +91 9109190140
नया बस स्टैंड ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा (छ.ग.)

बालकोनगर में धूमधाम से मनाया गया विजयादशमी उत्सव



बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

विजयादशमी के पावन अवसर पर बालकोनगर के रामलीला मैदान में बालको सार्वजनिक विजयादशमी समिति द्वारा भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। भगवान श्रीराम, माता सीता एवं हनुमान जी की आकर्षक झांकियों, रामलीला मंचन और रावण-दहन कार्यक्रम ने उत्सव को विशेष बना दिया। इस अवसर पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने रावण-दहन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बालकोनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोग शामिल हुए।

उत्सव की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इस अवसर पर भगवान श्रीराम की आराधना कर कंपनी, कर्मचारियों और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं निरंतर प्रगति की कामना की गई। बीते दिनों हुए रामलीला की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और मर्यादा का संदेश दिया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रावण-दहन रहा। राजेश कुमार सिंह द्वारा रावण-दहन किए जाने के साथ ही मैदान में उपस्थित लोगों ने असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया।

बालकोनगर का सार्वजनिक विजयादशमी उत्सव 49 वर्षों से क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। यह आयोजन धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ लोगों के बीच एकता, आपसी सौहार्द और सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा देता है।







पाली जनपद सीईओ का पदभार ग्रहण करने पर श्रीवास का अभिनंदन

प्रदेश पंचायत सचिव संघ के महासचिव सुनील जायसवाल के नेतृत्व में सीईओ श्रीवास से सौजन्य मुलाकात



कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

जनपद पंचायत पाली के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोहनिश देवांगन को भारमुक्त करने के बाद बीते सप्ताह कटघोरा में पदस्थ सीईओ ए के श्रीवास ने पाली जनपद सीईओ का पदभार ग्रहण किया। पाली में पदस्थ होने के बाद पंचायत सचिव संघ ब्लाक पाली ने प्रदेश महासचिव सुनील जायसवाल के नेतृत्व में सीईओ श्री श्रीवास से सौजन्य मुलाकात की और बुके देकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सुनील जायसवाल के साथ सचिव संतोष राव, ब्लाक अध्यक्ष रामकुमार टेकाम, बिशोक सिंह सहित अन्य कई सचिव उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीईओ श्री श्रीवास के साथ सचिवों ने विकास कार्यों पर चर्चा भी की और सीईओ ने पाली ब्लाक के अंतर्गत आने वाली सभी पंचायतों को विकास कार्यों का समान अवसर देने की बात कही।



सचिव मोती लाल के निधन पर अनुग्रह राशि परिजनों को भेंट की पंचायत सचिव संघ ने

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

जनपद पंचायत पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत भंडारखोल में पदस्थ सचिव मोती लाल जगत का आकस्मिक निधन गत 05 अक्टूबर को हो गया था। ब्लाक पंचायत सचिव संघ ने मोतीलाल के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक जताया और उनके निवास स्थान जाकर उनके परिजनों को ढांढस बंधाया और पंचायत सचिव संघ की ओर से उनकी धर्मपत्नी को अनुग्रह राशि के रूप में रूपए 65 हजार भेंट किया। पंचायत सचिव संघ के प्रदेश महासचिव सुनील जायसवाल ने परिजनों से कहा कि हमसे जो भी जरूरत होगी, बेझिझक कहें और हमेशा हम सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। श्री जायसवाल ने बताया कि श्री जगत के निधन के बाद पुत्र की अनुकम्पा नियुक्ति के लिए हम प्रयासरत हैं, ताकि पुनः घर की आर्थिक बहाली प्रारंभ हो सके। इस अवसर पर सचिव संतोष राव, रामकुमार टेकाम, विशोक सिंह सहित बड़ी संख्या में सचिव उपस्थित थे।

संविदा कर्मचारियों को मातृत्व लाभ पाने का हक

हाईकोर्ट बोला-संविदा पर नियुक्त महिला डॉक्टर को दी जाए 180 दिन का मातृत्व, बर्खास्तगी आदेश भी निरस्त

बिलासपुर/कोरबा। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मातृत्व अवकाश को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस कृष्णा राम महापात्र और जस्टिस संतोष शर्मा ने स्पष्ट किया है कि, संविदा कर्मचारियों को भी मातृत्व लाभ पाने का पूरा अधिकार है, भले ही उनकी संविदा अवधि या सेवाकाल समाप्त हो रहा हो।

डिवीजन बेंच ने याचिका खारिज करने के सिंगल बेंच के फैसले को निरस्त कर दिया है। कोर्ट याचिकाकर्ता महिला डॉक्टर को 180 दिन का मातृत्व अवकाश का लाभ देने के साथ ही बर्खास्तगी आदेश को भी निरस्त कर दिया है।

क्या है पूरा मामला ?

कोरबा के बिसाहूदास महंत मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में संविदा सहायक प्रोफेसर के के पद पर डॉ. निकिता श्रीवास्तव की नियुक्ति की गई थी। नौकरी के दौरान गर्भवती होने पर उन्होंने मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1961 के तहत 31 जुलाई 2026 को 1 अगस्त 2026 से 28 जनवरी 2027 तक 180 दिनों के सवेतन मातृत्व अवकाश के लिए आवेदन किया।

डॉ. निकिता श्रीवास्तव को 16 नवंबर 2022 को कोरबा स्थित बिसाहू दास महंत मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में संविदा सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया था। नौकरी के दौरान गर्भवती होने पर उन्होंने मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट, 1961 के तहत 31 जुलाई 2026 को 1 अगस्त 2026 से 28 जनवरी 2027 तक 180 दिनों के सवेतन मातृत्व अवकाश के लिए आवेदन किया। जिसे कॉलेज के विभागाध्यक्ष ने 3 अगस्त 2026 को इस आवेदन को डीन के पास अनुमोदन के लिए भेज दिया था। उनके आवेदन पर विचार करने के बजाय कॉलेज प्रशासन ने 6 अगस्त 2026 को उन्हें एक महीने का बर्खास्तगी नोटिस जारी कर दिया था।

युवाओं, बच्चों में संस्कार का बीज बो रहे समाजसेवी एवं वैद्यराज रामफल पटेल

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

गायत्री परिवार जहां देश ही नहीं विश्व के कई देशों में विभिन्न आध्यात्मिक एवं रचनात्मक कार्यों के माध्यम से शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और सनातन संस्कृति को आगे बढ़ा रहा है, ताकि एक आदर्श समाज की स्थापना हो सके। इसी कड़ी में गायत्री परिवार के रचनात्मक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के विशेषज्ञ वैद्यराज रामफल पटेल आध्यात्मिक एवं रचनात्मक कार्यों से पाली ब्लाक के विभिन्न क्षेत्रों में गायत्री यज्ञों के माध्यम से नशामुक्त अभियान चलाकर युवा पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण देने में लगे हुए हैं, वहीं गायत्री परिवार द्वारा संचालित यज्ञों के माध्यम से लोगों को सात्विक जीवन की ओर लौटा रहे हैं।

इस नवरात्रि वे अपने गृहग्राम डोंगानाला में प्रतिवर्ष की भांति करीब डेढ़ दर्जन युवाओं एवं युवतियों को अपने मार्गदर्शन में 09 दिन तक देवी





माता की साधना कराई और जीवन में अनुशासन का महत्व बताते हुए अलसुबह उठना, रात्रि को जल्दी सोना का मंत्र बताया। 09 दिन तक वे अपने निवास स्थान में इन युवाओं को भक्ति का पाठ पढ़ाया। ये सब युवा 09 दिन तक माँ की उपासना में लीन रहे और सुबह उठकर उनके निवास स्थान में आयोजित रोज के हवन एवं पूजन में भाग लेते रहे और 09 दिन तक उपवास रहा।

करीब 18 युवक-युवतियों के अलावा अन्य युवा भी हवन में भाग लेते थे। श्री पटेल ने बताया कि आध्यात्मिक कार्यक्रमों से युवाओं में संस्कार आते हैं और जीवन में आध्यात्म का महत्व समझते हैं। उन्होंने कहा कि उपवास से शरीर में नई ऊर्जा आती है और मन एकाग्र होता है, जिससे युवाओं को लक्ष्य तय करने में आसानी होती है और युवा अपने भविष्य के प्रति गंभीर होते हैं।

आध्यात्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवा नशामुक्त जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं। श्री पटेल ने बताया कि नशा से परिवार और समाज का हरण होता है और युवाओं का जीवन भी बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा कि गायत्री यज्ञों के माध्यम से युवाओं को नशामुक्त जीवन के लिए जागरूक किया जा रहा है और इसका प्रतिफल भी अच्छा मिल रहा है।

बाल संस्कार केन्द्र के माध्यम से बच्चों का जीवन मुख्यधारा में

पाली क्षेत्र के जानेमाने पारंपरिक चिकित्सा विशेषज्ञ वैद्यराज रामफल पटेल गायत्री परिवार के ब्लाक अध्यक्ष एवं जिला स्तर पर रचनात्मक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक के पद का निर्वहन कर रहे हैं। रामफल पटेल अपने गृहग्राम डोंगानाला के निजनिवास में बाल संस्कार केन्द्र का भी संचालन करते हैं, जहां पर ग्राम पंचायत डोंगानाला सहित आसपास के गांव के बच्चे भी केन्द्र में आते हैं, जहां पर रामफल पटेल शिक्षा की अलख जगा रहे हैं, वहीं बच्चों में संस्कार के बीज भी बो रहे हैं, ताकि युवा होने पर भटकाव न हो और वे जीवन की मुख्यधारा से जुड़कर शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी उनमें आए और राष्ट्र निर्माण में वे अपना योगदान दे सकें।





25 अक्टूबर को एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा में प्रेरणा-दिव्यांग प्रतिभा समारोह का आयोजन

कोरबा/मड़वारानी (दिव्य आकाश)।

एनकेएम लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) में 25 अक्टूबर दिन रविवार को प्रेरणा-दिव्यांग प्रतिभा समारोह का आयोजन किया जा रहा है। विद्यालय के डायरेक्टर डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रेरणा का आयोजन दिव्यांगों को मंच पर समान अवसर प्रदान करना मुख्य उद्देश्य है। प्रेरणा के इस मंच पर दिव्यांगों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए कई विधाओं पर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है, जिसमें चित्रकला, संगीत (गायन/वादन), भाषण, नृत्य, कविता पाठ एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियां शामिल हैं। कार्यक्रम का आयोजन 25 अक्टूबर को प्रातः 10.00 बजे से 02.00 बजे तक रखा गया है। समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के लिए श्रीमती कविता सोनी के मोबाइल नम्बर 87704-56399 पर सम्पर्क कर पूरी जानकारी ली जा सकती है। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर- द इंटरनेशनल एसोशिएशन डि.3233 सी पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी, विशिष्ट अतिथि पीएमजेएफ लायन सुधा मारदा, मोहम्मद सादिक शेख होंगे। अध्यक्षता लायन दर्शन अग्रवाल-क्लब अध्यक्ष, लायन खुशबू आशीष अग्रवाल-चेयरमेन, कार्यक्रम प्रभारी पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल एवं कार्यक्रम की संयोजक श्रीमती कविता सोनी हैं।



सिंदूर खेलकर दी मां दुर्गा को विदाई बाजे-गाजे के साथ निकली प्रतिमाएं

कोरबा। शारदीय नवरात्र के समापन पर शहर के पूजा पंडालों में मां दुर्गा को विदाई दी गई। इस दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सिंदूर दान की परंपरा निभाई। बंगाली परंपरा से होने वाली दुर्गा पूजा के पंडालों में बड़ी संख्या में महिलाएं सिंदूर खेलने पहुंचीं।



सरताज: गुरूर में मगरूर

यूं दलेर बने थे कभी मंचों के सरताज,
जब वे गाते थे कभी सुरों में आवाज़।
ज़बरदस्त नाम कमाया, शोहरत पाई,
फिर क्यों अपनी सुध-बुध बिसराई?

कभी तालियों से गूँजता उनका मंच,
हर एक दिल में बजा था उनका पंच।
लेकिन जब अहंकार चढ़ता सिर पर,
तो विवेक जा बैठता किसी कोने पर।

शराब का सुरूर हैं, शोहरत का नशा,
इंसान का तो बना ही देता है तमाशा।
जो यहाँ दूसरों को हँसाने आ निकले,
खुद ही उपहास के पात्र बन निकले।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

ओ गगन के जगमगाते दीप!



ओ गगन के जगमगाते दीप!
दीन जीवन के दुलारे
खो गये जो स्वप्न सारे,
ला सकोगे क्या उन्हें फिर खोज हृदय
समीप?
ओ गगन के जगमगाते दीप!
यदि न मेरे स्वप्न पाते,
क्यों नहीं तुम खोज लाते
वह घड़ी चिर शान्ति दे जो पहुँच प्राण
समीप?
ओ गगन के जगमगाते दीप!
यदि न वह भी मिल रही है,
है कठिन पाना-सही है,
नींद को ही क्यों न लाते खींच पलक
समीप?
ओ गगन के जगमगाते दीप!
हरिवंश राय बच्चन

खुशबू नहीं प्यार की महकी जिनके सोच विचारों में



खुशबू नहीं प्यार की महकी जिनके सोच-विचारों में
नागफनी की चुभन मिली उनके दैनिक व्यवहारों में ।
तू पतझर के पीले पत्तों पर पग धरते डरता
हैलोग सफलता खोज चुके हैं लाशों के अंबारों में ।
महलों के रहने वाले कुछ दूरी रखकर मिलते हैं
पल-भर में घुल-मिल जाते हैं बंजारे बंजारों में ।
औरत ही माँ, बहन, आत्मजा, पत्नी और प्रेमिका है
बदली नज़रों से पड़ता है, कितना फ़र्क नज़ारों में ।
अगर उजाला दे न सका तू 'उदय' अंधेरी बस्ती को
क्या होगा यदि लिख भी गया कल नाम तेरा फ़नकारों में ।
उदयप्रताप सिंह

मेंढकों का झुण्ड (हौसला)



लघु कथा

एक बार मेंढको का झुण्ड जंगल से गुजर रहा था। अचानक दो मेंढक एक गहरे खड्डे में गिर गए। बाकि सदस्यों ने जब खड्डे का मुआइना किया, तो देखा की वो तो बहुत गहरा है, तो उन सब ने उन दोनों को कहा कि अब कोई फायदा नहीं है। आप इसमें से बाहर नहीं आ सकते हो। बेहतर होगा कि यहीं पर शांत होकर बैठो व् मौत का इंतज़ार करो। अब कोई भी उम्मीद नहीं कि आप बच सको।

मगर उन दोनों मेंढकों ने अपने प्रयासों को नहीं छोड़ा। वो दोनों उन सबकी बातो को अनदेखा करके बड़ी हिम्मत से छलांग लगाने लगे, ताकि वो बाहर आ सके। ऐसा उन्होंने बहुत बार किया। मगर सब विफल रहा, उनके साथी मेंढक उनको समझाते रहे कि ऐसा तुम नहीं बचोगे, उन दोनों में से एक ने उनकी बातों को दिमाग पे लगा लिया व् हौसला हार गया, जिसके नतीजे स्वरुप वो मर गया। मगर दूसरे ने साहस न छोड़ा। वो लगातार छलांग लगाता रहा व् परिणामस्वरूप उस गड्डे से बाहर आ गया।

उसके साथी मेंढकों ने कहा कि तूने हमारी आवाज नहीं सुनी? तब उसने कहा कि मैं तो सुन ही नहीं सकता। मुझे लगा कि आप सब मेरी हिम्मत बढ़ा रहे हो, बस आपकी इन बातों से ही तो मैं बाहर निकल पाया हूँ।

शिक्षा

लोगों के शब्द दूसरों की ज़िन्दगी पर गहरा प्रभाव डालते है, इसीलिए जब भी आप बोलो पहले सोचो कि आप क्या बोलने जा रहे हो । क्यूंकि आपके शब्द किसी की ज़िन्दगी बना भी सकते हैं व् किसी को मौत भी दे सकते हैं। इस सबमें बस थोड़ा सा ही अंतर बचता है।

तितली (संघर्ष)



एक आदमी को एक तितली का कोकून मिला। एक दिन उसमें से एक छोटा सा रास्ता बना। वह वहीं पर बैठ गया व् घंटो देखता रहा कि कैसे वो तितली अपना पूरा जोर लगा रही थी। उस छोटे से छेद में से बाहर आने के लिए, मगर कुछ नहीं हुआ।

अचानक से उस तितली ने अपना जोर लगाना बंद कर दिया। ऐसा लगा मानो वह उस कोकून में फंस सी गयी है। उस आदमी ने इस तितली की मदद करने की सोची। उसने कैंची ली व् उस कोकून को काट दिया। ऐसा करने से वह तितली बाहर आ गयी। वो बुरी तरह से थकी हुई दिख रही थी। उसका सारा जिस्म सुजा हुआ था। उसके पंख छोटे से थे व् फड़फड़ा रहे थे।

उस आदमी को कुछ नहीं सुझा। वो उसके पास बैठा रहा ताकि उस तितली के पंख विकसित हो जायें व् वह उड़ सके। मगर ऐसा नहीं हुआ। वो तितली सूजे हुए शरीर व् कमजोर पंखों से वहीं आस पास घूमती रही । मगर कभी भी उड़ न सकी । उस व्यक्ति के दया भाव के बावजूद वो इस बात से अनजान था, का यह सब इस भगवन की माया है। इस तितली का संघर्ष करके उस कोकून से बाहर निकलने से एक खास द्रव उसके शरीर से पंखों तक जाना था जिससे उसके पंखों को शक्ति मिलनी थी, ताकि वो भी खुले गगन में उड़ सके।

शिक्षा-

हमारी संघर्ष हमें ज़िन्दगी में मजबूती देती है। बिना इसके हम कभी भी मजबूत नहीं बन सकते। न ही विकसित हो सकते हैं, इसीलिए हमारे लिए यह जरुरी है कि हम अपने संघर्षों व् चुनौतियों का खुद से ही सामना करें न कि दूसरों पर निर्भर हो कि वह हमें इन विपत्तियों से बाहर निकाले।

एजेंसी।

राजा को सपने में मिले थे मां के दर्शन, ऐसे हुई लातेहार के उग्तारा मंदिर की स्थापना



झारखंड के लातेहार जिले के चंदवा प्रखंड स्थित नगर गांव में मां उग्तारा नगर भगवती का प्राचीन मंदिर है। करीब एक हजार वर्ष पुराने इस मंदिर को सिद्धपीठ के रूप में जाना जाता है। यहां झारखंड के अलावा देश के कई हिस्सों से श्रद्धालु मां के दर्शन करने पहुंचते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई मुराद यहां जरूर पूरी होती है। मंदिर में फूल गिरने से जुड़ी परंपरा भी भक्तों के बीच विशेष आस्था का केंद्र है।

राजा के पूर्वजों ने कराई थी मंदिर की स्थापना

लोककथा के अनुसार, टोरी परगना के अंतिम राजा दिग्विजय नाथ शाही के पूर्वज आखेट के दौरान मनकरी पहुंचे थे। रात में विश्राम करते समय देवी ने उन्हें स्वप्न में दर्शन दिया और तालाब में मिलने की बात कही। अगले दिन स्नान के दौरान राजा को अंगूठे के आकार की देवी प्रतिमा मिली। वह प्रतिमा लेकर नगर गांव पहुंचे और राज्य के गढ़ के बीच उसकी स्थापना कराई। तभी से यहां मां उग्तारा की पूजा की परंपरा चली आ रही है।

बाद में राजा ने पंचानन मिश्र को मंदिर में पूजा-पाठ की जिम्मेदारी सौंपी। वर्ष 1804 में अंतिम राजा दिग्विजय नाथ शाही के निधन के बाद से पंचानन मिश्र के वंशज मंदिर की व्यवस्था संभालते आ रहे हैं।

कैथी लिपि में लिखी पोथी से होती है पूजा

नगर भगवती मंदिर की एक खास परंपरा यहां रखी प्राचीन पोथी से जुड़ी है। मंदिर के सेवायत परिवार के अनुसार, टुडामू स्थित मिश्र परिवार के घर में रखी इस पोथी को उनके पूर्वजों ने कैथी लिपि में लिखा था। इसमें कई पुराणों का सार बताया जाता है। परिवार इसे देवी के समान श्रद्धा से रखता है और साल में 16 दिवसीय शारदीय पूजा के दौरान ही बाहर निकालता है। दशहरा पूजा इसी पोथी के आधार पर संपन्न कराई जाती है।

16 दिनों तक चलती है शारदीय पूजा

मंदिर में शारदीय नवरात्र पूजा 16 दिनों तक चलती है। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां अष्टादशभुजा की कलश स्थापना की जाती है। दुर्गापूजा, नववर्ष और अन्य प्रमुख हिंदू त्योहारों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

आसन से फूल गिरना माना जाता है शुभ संकेत

मां उग्तारा के दरबार में भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं। यहां मां के आसन पर फूल चढ़ाकर मन्नत मांगने की परंपरा है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, पूजा के दौरान आसन से फूल गिरना मनोकामना पूरी होने का संकेत माना जाता है। इसी विश्वास के चलते दूर-दूर से श्रद्धालु नगर गांव पहुंचकर मां की पूजा-अर्चना करते हैं। एजेंसी।

29 अक्टूबर को है करवा चौथ



करवा चौथ का व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाता है। करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए निर्जल व्रत रखती हैं। महिलाएं व्रत के दौरान भगवान शिव, माता पार्वती, कार्तिकेय और भगवान गणेश की पूजा करती हैं। इसके अलावा, शाम के समय चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि दो दिन पड़ रही है। ऐसे में आइए ज्योतिषाचार्य पंडित धनंजय पांडेय से जानते हैं कि इस साल करवा चौथ का व्रत कब रखा जाएगा, इसकी सही तारीख और शुभ मुहूर्त क्या है।

पंचांग के अनुसार, कार्तिक कृष्ण चतुर्थी तिथि की शुरुआत 28 अक्टूबर 2026, बुधवार को देर रात 1 बजकर 06 मिनट से शुरू होगी। जबकि, इस तिथि की समाप्ति 29 अक्टूबर 2026 को रात 10 बजकर 09 मिनट पर होगी। ज्योतिषाचार्य पंडित धनंजय पांडेय ने बताया कि चूंकि, 28 अक्टूबर 2026 उदयव्यापिनी चतुर्थी तिथि नहीं ह। 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार को उदय व्यापिनी चतुर्थी तिथि ह। इसलिए करवा चौथ का व्रत 29 अक्टूबर 2026 को रखा जाएगा।

करवा चौथ की पूजा के लिए क्या है शुभ मुहूर्त

करवा चौथ के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त शाम 5 बजकर 12 मिनट से 6 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। पूजन के लिए एक घंटा 16 मिनट का समय मिलेगा।

करवा चौथ व्रत कब से कब तक रखा जाएगा

ज्योतिषाचार्य पंडित धनंजय पांडेय के अनुसार, इस साल करवा चौथ का व्रत सुबह 5 बजकर 52 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 58 मिनट तक रखा जाएगा. इस बार करवा चौथ पर महिलाओं को 14 घंटे 05 मिनट का निर्जल व्रत रखना होगा। हालांकि, स्थानीय सूर्योदय और चंद्रोदय के हिसाब से व्रत की पूरी अवधि में अंतर आ सकता है।

करवा चौथ के दिन कब होगा चंद्रोदय

इस साल करवा चौथ के दिन चंद्रोदय (चांद निकलने का समय) शाम 7 बजकर 58 मिनट पर होगा। स्थानीय सूर्योदय के हिसाब से चंद्रोदय के समय में कुछ मिनटों का अंतर हो सकता है। करवा चौथ में चंद्रोदय का खास महत्व होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि व्रती महिलाएं इस दिन चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही निर्जल व्रत का पारण करती हैं। एजेंसी।



राजनीतिज्ञों ने मुझे पूरी तरह भुला दिया, अच्छा ही हुआ

राजनीतिज्ञों ने मुझे पूरी तरह भुला
दिया।
अच्छा ही हुआ।
मुझे भी उन्हें भुला देना चाहिये।
बहुत से मित्र हैं, जिन्होंने आँखे फेर
ली हैं,
कतराने लगे हैं
शायद वे सोचते हैं
अब मेरे पास बचा क्या है?
मैं उन्हें क्या दे सकता हूँ?
और यह सच है
मैं उन्हें कुछ नहीं दे सकता।
मगर कोई मुझसे
मेरा स्वत्व नहीं छीन सकता।
मेरी कलम नहीं छीन सकता
यह कलम
जिसे मैंने राजनीति के धूल- धक्कड़ के बीच भी
हिफाजत से रखा
हर हालत में लिखता रहा
पूछो तो इसी के सहारे
जीता रहा
यही मेरी बैसाखी थी
इसी ने मुझसे बार बार कहा,
हारिये ना हिम्मत बिसारिये ना राम।
हिम्मत तो मैं कई बार हारा
मगर राम को मैंने
कभी नहीं बिसारा।
यही मेरी कलम
जो इस तरह मेरी है कि किसी और की
नहीं हो सकती
मुझे भवसागर पार करवाएगी
वैतरणी जैसे भी
हो,
पार कर ही लूँगा।
श्रीकांत वर्मा

25 को है शरद पूर्णिमा? जानें पूजा मुहूर्त खीर रखने का समय और महत्व

शरद पूर्णिमा हिंदू धर्म के प्रमुख पर्वों में से एक है। शारदीय नवरात्र के बाद आने वाली इस पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इसे रास पूर्णिमा और कोजागरी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इस रात चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होकर अमृतमयी किरणें बरसाता है। यही वजह है कि शरद पूर्णिमा की रात खीर बनाकर चांदनी में रखने की परंपरा है।

साल 2026 में शरद पूर्णिमा का व्रत 25 अक्टूबर, रविवार को रखा जाएगौ। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजकर 55 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन 26 अक्टूबर को समाप्त होगौ। चूंकि 25 अक्टूबर की रात में पूर्णिमा तिथि रहेगी, इसलिए इसी दिन चंद्रमा की पूजा और खीर को चांदनी में रखने की परंपरा निभाई जाएगी। वहीं, 26 अक्टूबर को स्नान-दान और दूसरे पुण्य कर्म किए जा सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, स्नान और दान जैसे कार्यों के लिए उदयातिथि का विशेष महत्व होता है। हालांकि, पूजा या व्रत करने से पहले स्थानीय पंचांग में दिए गए समय का मिलान करना उचित रहेगौ।

शरद पूर्णिमा पर चंद्रमा की पूजा का विशेष महत्व है। इस दिन शाम को चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद धूप-दीप जलाकर पूजा की जाती है और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11.55 बजे शुरू होने के कारण इस रात चंद्रमा की पूजा करना शुभ माना जाएगौ। एजेंसी।

शुभता का संदेश देकर माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा में शारदीय नवरात्रि सम्पन्न

जवारा कलश विसर्जन: जब एक साथ 181 नारीशक्ति के सिर पर जवारा कलश रखकर जवारा कलश यात्रा नदी की ओर प्रस्थान किया तब दिखा अद्भूत नजारा

प्रबंधक एवं राजपुरोहित नन्हा महराज की अगुवाई में स्थापित जवारा कलशों की पूजा-अर्चना के बाद किया गया हसदेव घाट में विसर्जन



कोरबा (दिव्य आकाश)।

क्वांर शुक्ल नवमी विक्रम संवत् 2083 सोमवार 19 अक्टूबर की गोधूली बेला आते ही माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय (नन्हा महराज) माँ श्री सर्वमंगला के श्रीचरणों में नतमस्तक हुए और 09 दिन तक सेवा में जो भी कमी हो, अज्ञानी समझकर माफ करना और कोरबा की समृद्धि, खुशहाली एवं सुख-शांति बनाए रखना, का आशीर्वाद लिया और जवारा कलश विसर्जन के लिए माँ से अनुमति मांगी और पूजा-अर्चना के बाद जवारा कलश स्थापना कक्ष पहुंचकर स्थापित 181 जवारा कलशों की पूजा-अर्चना की और उसके बाद नारी शक्तियों के सिर पर जवारा कलश रखा गया और सभी नारी शक्ति पाण्डेय परिवार के निज निवास के सामने पहुंचीं, जहां पाण्डेय परिवार की मुखिया एवं नमन पाण्डेय की माताश्री श्रीमती गीता देवी पाण्डेय के सानिध्य में नारी शक्ति की पूजा की और बैगाओं को शांत किया।

देश-दुनिया में पहुंचे शुभता का संदेश: सभी का शुभ हो, कल्याण हो और सुख-शांति का वास हो

असतो मा सद्गमय... तमसो मा ज्योतिर्गमय्...

चुनरी की सुरक्षा दीवार के बीच मांदर की थाप, कर्मा नृत्य संग आतिशबाजी के बीच नारी शक्ति का समूह गंगा जैसी पवित्र हसदेव नदी की ओर प्रस्थान किया। जब एक साथ 181 नारी शक्ति सर पर जवारा कलश रखकर कतारबद्ध नदी की ओर प्रस्थान किया तो अंधेरे में ज्योति कलशों का प्रकाशपूंज शुभता का संदेश दे रहे थे- असतो मा सद्गमय... तमसो मा ज्योतिर्गमय...।



पाण्डेय परिवार ने की जवारा कलश में शामिल नारी शक्ति की पूजा, मांगा कोरबा के लिए शुभ आशीर्वाद

काली माँ को देखकर जब बैगा चिल्लाने लगा



माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर में जवारा कलश विसर्जन के दौरान कई रोमांचकारी दृश्य भी देखने को मिला। खप्पर रखे बैगा को देवी माँ चढ़ी थी और जवारा कलश विसर्जन यात्रा जब परिसर में स्थित काली मंदिर पहुंची तो बैगा काली माँ को देखकर जोर-जोर से चिल्लाने लगा और माँ के शरण में पहुंच गया। यहां के पुजारी ने बैगा को शांत किया और फिर विसर्जन यात्रा आगे बढ़ी। जसगीत के बीच विसर्जन यात्रा आगे बढ़ी। सड़क पर आतिशबाजी की गई और आकाश सतरंगी छटाओं से निखर गया। कलश यात्रा विसर्जन के दौरान कोई हनुमान के रूप में माँ का स्वागत कर रहे थे तो कोई शेर-भालू बीच में आकर दर्शकों के मन में उल्लास भर रहे थे। कई नारी शक्ति को देवी माँ चढ़ी थीं और वे माँ की भक्ति में ऐसे डूब गए थे जैसे वे आदिशक्ति की उपासना में आत्मसात हो गए हों।

शुभता का संदेश- सार्वभौम में शांति का वास हो, सभी का कल्याण हो- नमन पाण्डेय



क्वांर शुक्ल में आयोजित 09 दिन तक शारदीय नवरात्रि के सफलता पूर्वक सम्पन्न होने के बाद मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने माँ के दरबार में मत्था टेका और कहा- हे माता रानी! हम सभी पर आपका उपकार सदा बना रहे। कोरबा सहित पूरे छत्तीसगढ़, देश-दुनिया में सभी जीवों का कल्याण करना, सभी का जीवन सरल और सुलभ हो। विश्व में शांति की स्थापना हो और सभी का कल्याण हो।

दिव्य मंत्रोच्चार के साथ नदी में जवारा कलश विसर्जित



हसदेव घाट पहुंचने पर पुन: सभी जवारा ज्योति कलशों की पूजा-अर्चना नमन पाण्डेय ने की और बैगाओं ने विधि विधान पूरा किया और नारी शक्ति के सर से एक-एक कलश उतारा गया और नदी में विसर्जित कर आशीर्वाद मांगा- हे माँ! सभी का कल्याण करना, विश्व में शांति का वास हो, ऐसा आशीर्वाद देना, घर-घर समृद्धि बनकर वास करना और समाज में सत्व का प्रकाश फैलाना।

जवारा कलश विसर्जन यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल



जवारा कलश विसर्जन यात्रा के दौरान मंदिर परिसर में माँ सिद्धिदात्रि की पूजा करने पहुंचे हजारों श्रद्धालु भी शामिल हुए और ज्योति कलशों का प्रकाशपूंजों को निहार रहे थे।

नमन पाण्डेय (नन्हा महराज) ने जताया आभार

माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय (नन्हा महराज) ने नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रि सम्पन्न होने पर सभी भक्तों की अनुशासनप्रियता के लिए आभार जताया। 12 हजार ज्योति कलश प्रज्ज्वलित कराने वाले भक्तों सहित जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन एवं शांति व्यवस्था के लिए 24 घंटें उपलब्ध रहने वाले पुलिस जवानों का भी आभार जताया और कहा कि पुलिस सुरक्षा के बीच 09 दिवसीय शारदीय नवरात्रि सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। उन्होंने धार्मिक आयोजनों को सम्पन्न कराने वाले विद्वान आचार्यों, पंडितों का भी आभार जताया। व्यवस्था में लगे सेवकों, मंदिर के सेवादारों एवं प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सेवा करने वाले सभी भक्तों का भी आभार जताया और कहा कि सभी के सहयोग से शारदीय नवरात्रि सम्पन्न हुई। माँ! सभी का कल्याण करे।

महानवमी पर माँ सिद्धिदात्रि स्वरूपा माँ श्री सर्वमंगला देवी की पूजा

क्वांर शुक्ल नवमी को शारदीय नवरात्रि के अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्रि स्वरूपा माँ श्री सर्वमंगला की श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और ऊर्जाधनी कोरबा की आराध्य देवी माँ श्री सर्वमंगला देवी से सभी कामों में सिद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा। 09 दिन तक माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा में माँ का मेला लगा हुआ था और पूरे 09 दिन तक श्रद्धा का सैलाब देखने को मिला। माँ श्री सर्वमंगला देवी का दर्शन करने एवं पूजा अर्चना करने अलसुबह से ही लोगों का तांता लगा रहता था। मंदिर परिसर से लेकर सड़क तक लोगों की लम्बी लाईन लगी रही और सभी भक्तगण शांतिपूर्वक अनुशासन से माँ का दर्शन करने अपनी पारी का इंतजार करते रहे। परिसर में प्रबंधन द्वारा शेड लगवाया गया है, जिसके कारण भक्तगणों को गर्मी का एहसास नहीं हुआ और लोग प्रसन्नचित और उल्लास के साथ लाईन में खड़े हो कर दर्शन के लिए अनुशासन का परिचय दिया।



माँ को छप्पन भोग अर्पण



सप्तमी को माँ श्री सर्वमंगला देवी को छप्पन भोग अर्पण किया गया। सप्तमी माँ कालरात्रि देवी का दिन होता है और इस दिन माँ श्री सर्वमंगला देवी का पूजन माँ कालरात्रि के रूप में किया गया। माँ कालरात्रि को गुड़, फल अतिप्रिय हैं, इसलिए पंडितों द्वारा माँ श्री सर्वमंगला देवी को छप्पन भोग में गुड़ और फल शामिल कर अर्पण किया गया।

राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने बताया कि माँ कालरात्रि देवी की पूजा एवं उपासना से विजय की प्राप्ति होती है और भक्तों ने किसी भी काम में सफलता और विजय प्राप्ति के लिए माँ श्री सर्वमंगला देवी की पूजा की।

मंदिर का रात में अद्भूत नजारा



12000 ज्योति कलशों से जगमग माँ श्री सर्वमंगला देवी का दरबार



कोरबा की आराध्य देवी माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के दरबार में शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन ज्योति कलशों को प्रज्ज्वलित किया गया। विद्वान आचार्यों एवं पंडितों के सानिध्य में मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय (नन्हा महराज) सपत्नीक शुभ मुहूर्त में ज्योति कलशों को प्रज्ज्वलित किया। लगभग 12000 मनोकामना ज्योति कलशों की दिव्य रोशनी से परिसर जगमग हो उठा।

माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने बताया कि रविवार 11 अक्टूबर क्वांर शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत् 2083 से अष्टमी 18 अक्टूबर तक माँ के दरबार में ज्योति कलशों की दिव्य ज्योति से माँ का दरबार लालिमा लिए हुए दैदिव्यमान था। अष्टमी को अपराह्न हवन-पूजन और पूर्णाहुति दी गई और अष्टमी की शाम को 21 कन्याओं को भोजन कराया गया। देवी स्वरूपा कन्याओं का श्रृंगार कर उन्हें भोग परोसा गया और नमन पाण्डेय सहित उनकी माँ श्रीमती गीता देवी पाण्डेय, धर्मपत्नी सहित पूरा पाण्डेय परिवार ने देवी स्वरूपा कन्याओं का पग प्रक्षालन किया और दण्डवत प्रणाम कर शुभ आशीर्वाद मांगा। कन्या भोज के बाद पाण्डेय परिवार ने कन्याओं को उपहार भी भेंट किया और कोरबा सहित सार्वभौम की समृद्धि एवं खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगा।

21 कन्याओं का श्रृंगार कर कराया भोज, दिए उपहार





महाअष्टमी पूजा सम्पन्न होने के बाद हवन-पूर्णाहुति को विधि-विधान से सम्पन्न कराने के बाद एवं महाअष्टमी पर माँ महागौरी स्वरूपा माँ श्री सर्वमंगला देवी की पूजा अर्चना एवं संध्या आरती सम्पन्न होने के बाद 21 कन्याओं को सादर आमंत्रित किया गया और श्री पाण्डेय के निजनिवास के अतिथि कक्ष में सभी 21 कन्याओं का श्रृंगार किया गया, पाण्डेय परिवार द्वारा सभी कन्याओं का पग प्रक्षालन किया गया और उसके बाद सभी को भोग परोसा गया। कन्या भोज के बाद उपस्थित देवी स्वरूपा सभी कन्याओं को उपहार दिया गया। पाण्डेय परिवार ने सभी कन्याओं को प्रणाम कर आशीर्वाद मांगा और कन्याओं को ससम्मान विदा किया गया।

माँ के दरबार में शरणागत हुए नमन पाण्डेय



जवारा कलश विसर्जन करने से पूर्व प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय माँ के दरबार में नतमस्तक हुए और जवारा मनोकामना ज्योति कलशों के विसर्जन के लिए माँ से अनुमति मांगी।

माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा में हवन-पूर्णाहुति के साथ शारदीय नवरात्रि पर विराम

विद्वान आचार्यों के श्रीमुख से निकला दिव्य मंत्रोच्चार, शंखनाद से परिसर हुआ भक्तिमय

सार्वभौम का कल्याण हो, विश्व में शांति हो, घर-घर पहुंचे समृद्धि की शुभ-मंगलकामनाओं के लिए मांगा माँ से आशीर्वाद

महाअष्टमी पर अपराह्न माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर दुरपा कोरबा में शारदीय नवरात्रि पर हवन-पूर्णाहुति के साथ विराम लगा। मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने सपरिवार हवन-पूजन किया और यहां उपस्थित विद्वान आचार्यों ने दिव्य मंत्रोच्चार, घंटे एवं शंखनाद के बीच हवन-पूर्णाहुति को विधि-विधान के साथ सम्पन्न कराया और माँ आदिशक्ति से प्रार्थना की, कि पूरे विश्व का कल्याण हो, विश्व में शांति की पुनर्स्थापना हो, चारों तरफ समृद्धि की बयार हो और घर-घर सुख, सम्पत्ति और वैभव का निवास हो, इन्हीं शुभ-मंगलकामनाओं के साथ माँ आदिशक्ति से आशीर्वाद मांगा गया और आगामी नवरात्रि के लिए इस नवरात्रि को विराम दिया गया। श्री पाण्डेय ने सभी को शुभकामनाएं दी।



प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने सपत्नीक किया हवन-पूर्णाहुति

महाआरती से सत्व का प्रकाशपूंज



रोज सुबह एवं संध्या 07.00 बजे माँ की महाआरती की जाती रही। माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय (नन्हा महराज) ने बताया कि माँ आदिशक्ति की आरती करने एवं सुनने मात्र से ही मन में तामसिक प्रवृत्ति का नाश होता है और माँ के प्रति श्रद्धा का भाव जागृत होता है। आरती से बच्चों में संस्कार पनपता है और बुद्धि में श्रेष्ठता आती है। महाआरती से परिसर सहित चारों तरफ सत्व का प्रकाशपूंज फैलता है और वातावरण में विशुद्धता आती है। 09 दिन तक महाआरती में सैकड़ों लोग शामिल होते रहे।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com